# दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 4 : अंकः25 | ग्वालियर, 2 दिसम्बर, शनिवार 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए


**एक नजर**

## ठगी का नायाब तरीका, महिला इंजीनियर से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगे 11 लाख

साइबर ठग अलग-अलग तरीकों से ठगी की वारदात को अंजाम दे रहे हैं. ऐसा ही एक मामला देश की राजधानी दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के नोएडा सेक्टर-34 से सामने आया है, जहां साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट के नाम से एक महिला इंजीनियर से 11 लाख रुपये की ठगी की. नोएडा के साइबर पुलिस स्टेशन की इंस्पेक्टर रीता यादव ने बताया कि सेक्टर-34 में रहने वाली इंजीनियर के पास 13 नवंबर को एक फोन आया था और कॉलर ने खुद को टेलीफोन रेगुलेटरी ऑफ इंडिया का अधिकारी बताया. उसने कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल करके सिम कार्ड खरीदा गया है.इतना ही नहीं कॉलर ने महिला को यह भी बताया कि उस सिम कार्ड का इस्तेमाल मनी लॉड्रिंग के एक मामले में हुआ है और उससे 2 करोड़ रुपये भी निकाले गए हैं. यह सुनकर महिला इंजीनियर घबरा गई. साइबर ठग ने महिला इंजीनियर को जांच की बात कहते हुए कॉल को ट्रांसफर कर दिया और उसे वीडियो कॉल पर जो?ा गया. वीडियो कॉल के दौरान महिला को ठगो ने बैकग्राउंड में पुलिस स्टेशन दिखाया. इतना ही नहीं महिला को वीडियो कॉल में पुलिस भी नजर आ रही थी.

**महिला को करीब 8 घंटे तक करके रखा डिजिटल अरेस्ट**–साइबर ठग ने महिला को गिरफ्तारी की बात कहकर डराया और कहा कि उसे डिजिटल अरेस्ट किया जा रहा है और करीब 8 घंटे तक उसे डिजिटल अरेस्ट करके रखा. इतना ही नहीं इस दौरान साइबर ठगों ने महिला इंजीनियर से कई सवाल भी पूछे. साइबर ठगों ने महिला से कहा कि वह किसी से बात नहीं कर सकती. इसके अलावा ठगों ने उससे 11 लाख रुपये ट्रांसफर भी करवा लिए. गौरतलब है कि इस तरह का यह कोई पहला मामला नहीं है कि जब साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर किसी के साथ ठगी की वारदात को अंजाम दिया हो. इससे पहले भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके है.डिजिटल अरेस्ट के किसी भी मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं इस मामले के संज्ञान में आने के बाद साइबर क्राइम टीम जांच में जुट गई है. हालांकि तक डिजिटल अरेस्ट के किसी भी मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है. पुलिस का कहना है कि जल्द ही इस मामले का खुलासा किया जाएगा.

## 8 पूर्व नौसैनिकों को कतर में मिली मौत की सजा पर क्या बोले नेवी चीफ एडमिरल आर हरि कुमार?

नौसेना के चीफ एडमिरल आर हरि कुमार ने शुक्रवार ( 1 दिसंबर) को कहा कि कतर में मौत की सजा पाए आठ पूर्व नौसैनिकों को वापस लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि भारत सरकार इसको लेकर हरसंभव प्रयास कर रही है. एडमिरल कुमार ने कहा, ''हम उनके हित सुनिश्चित करने के लिए निकटता से काम कर रहे हैं. भारत सरकार उनकी वापसी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है.दरअसल, कतर की एक कोर्ट ने आठ पूर्व सैनिकों को मौत की सजा सुनाई है.

**विदेश मंत्रालय ने क्या कहा था**–पूरे मामले में हाल ही में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि मामले को उच्च महत्व देते हुए सभी कानूनी विकल्प तलाश रह हैं. हम आठों सैनिकों की देश वापसी की पूरी कोशिश कर रहे हैं. हालांकि कतर के अधिकारियों की ओर से भारतीयों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया गया है.

**किस मामले में हिरासत में लिया गया था**–भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मियों को कतर की एक कोर्ट ने 26 नवंबर को मौत की सजा सुनाई थी. भारत ने कहा था कि वह इस फैसले से बेहद ''स्तब्ध'' है और इस मामले में सभी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहा है.मौत की सजा के खिलाफ अपील दायर की जा चुकी है और कतर की एक उच्च अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया है. यह अपील जेल में बंद इन भारतीय नागरिकों की कानूनी टीम ने दायर की है.

# पीएम मोदी ने COPxx भारत में होस्ट करने के लिए रखा प्रस्ताव, कहा- वन अर्थ, वन फैमली, वन फ्यूचर पर हमारा जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार (1 दिसंबर) को संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन भारत में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा. उन्होंने कहा कि आज मैं इस मंच से 33 को 2028 में भारत में होस्ट करने का प्रस्ताव रखता हूं.उन्होंने कहा, सबसे पहले, मैं जलवायु जस्टिस, जलवायु फाइनेंस और ग्रीन क्रेडिट जैसे मुद्दों पर आपके निरंतर समर्थन के लिए आभार व्यक्त करना चाहता हूं. इस दौरान पीएम ने कहा वन अर्थ, वन फैमली, वन फ्यूचर को लेकर सभी की भागीदारी जरूरी है.

**कार्बन उत्सर्जन भारत योगदान 4 प्रतिशत से कम**–उन्होंने कहा कि आज भारत ने दुनिया के सामने इकोलॉजी और अर्थव्यवस्था

के बीच संतुलन का एक शानदार उदाहरण पेश किया है. भारत में दुनिया की 17व आबादी रहती है, इसके बावजूद वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में इसका योगदान 4 प्रतिशत से कम है. भारत दुनिया की उन कुछ अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जो एनडीसी टारगेट्स को पूरा करने की राह पर है.

**इनोवेटिव टेक्नोलॉजी का लगातार विकास करें**–पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हमें संकल्प लेना होगा कि एनर्जी ट्रांजेक्शन हो, लेकिन इसके लिए हमें इनोवेटिव होना होगा. हमें यह भी संकल्प लेना होगा कि इनोवेटिव टेक्नोलॉजी का लगातार विकास करें और अपने हितों से ऊपर उठ कर दूसरे देशों को टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करें.इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए गुरुवार (30 नवंबर) रात संयुक्त अरब अमीरात पहुंचे. जहां भारतीय प्रवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. इस दौरान लोगों ने मोदी-मोदी और अबकी बार मोदी सरकार के नारे भी लगाए.

## शरद पवार को लेकर अजित पवार का बड़ा खुलासा, नौटंकी था कि.., सुप्रिया सुले को लेकर भी किया दावा

महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार ने अपने चाचा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार को लेकर शुक्रवार ( 1 दिसंबर) बड़ा दावा किया. उन्होंने कहा कि शरद पवार का अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना नौटंकी था. उन्होंने कहा, हम सभी लगातार शरद पवार को ये कह रहे थे कि हम लोगों को काम के लिए सरकार में जाना चाहिए.अजित पवार ने रायगढ़ ज़िले में चल रही पार्टी की बैठक में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, हम लोग शरद पवार (साहेब) से मिले और ये बात बताई भी. इसके बाद उन्होंने कहा कि हम इस्तीफा

देंगे, उनके इस्तीफे को लेकर हम चार लोगों को पहले से पता था. शरद पवार ने कहा कि तुम सरकार में शामिल हो जाओ और मैं इस्तीफा दे रहा हूं, सुप्रिया सुले भी उस समय सरकार में शामिल होने के समर्थन में थीं.उन्होंने शरद पवार के इस्तीफे को स्क्रिप्टेड बताते हुए आगे कहा, बुक प्रकाशन के मौके पर शरद पवार ने इस्तीफा दिया, लेकिन उसके तुरंत बाद लोगो को कहा कि उनके समर्थन में लोग प्रदर्शन करें और इस्तीफा वापस मांगे. इसके बाद उन्होंने इस्तीफा वापस लिया. इस्तीफा नहीं देना था तो इतनी नौटंकी क्यो

**अजित पवार ने क्या कहा**–अजित पवार ने दावा किया कि सरकार में शामिल होने के बाद शरद पवार ने सभी मंत्रियो को मिलने के लिए बुलाया और फिर उसके बाद दूसरे दिन विधायको को भी मिलने के लिए बुलाया. बैठक मे उन्होंने सारी बात सुनी और कहा कि ठीक है हम बताते हैं. फिर बयान आने शुरू हो गए कि गाड़ी ट्रेक पर है.

## 8 पूर्व नौसैनिकों को कतर में मिली मौत की सजा

नई दिल्ली। नौसेना के चीफ एडमिरल आर हरि कुमार ने शुक्रवार ( 1 दिसंबर) को कहा कि कतर में मौत की सजा पाए आठ पूर्व नौसैनिकों को वापस लाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि भारत सरकार इसको लेकर हरसंभव प्रयास कर रही है. एडमिरल कुमार ने कहा, ''हम उनके हित सुनिश्चित करने के लिए निकटता से काम कर रहे हैं. भारत सरकार उनकी वापसी सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है. दरअसल, कतर की एक कोर्ट ने आठ पूर्व सैनिकों को मौत की सजा सुनाई है. पूरे मामले में हाल ही में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि मामले को उच्च महत्व देते हुए सभी कानूनी विकल्प तलाश रह हैं. हम आठों सैनिकों की देश वापसी की पूरी कोशिश कर रहे हैं. हालांकि कतर के अधिकारियों की ओर से भारतीयों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सार्वजनिक नहीं किया गया है.

## कांग्रेस ने पहला महिला प्रधानमंत्री दिया, बीजेपी-आरएसएस नहीं करते महिलाओं का सम्मान, कोच्चि में बोले राहुल गांधी

केरल के कोच्चि में महिला कांग्रेस की ओर से आयोजित जनसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शिरकत की है. यहां संबोधन करते हुए उन्होंने बीजेपी और आरएसएस पर तीखा हमला बोला है. गांधी ने आरोप लगाया है बीजेपी आरएसएस और उसके समान विचारधारा वाले दल महिलाओं का सम्मान नहीं करते. उन्होंने कहा, ÷आरएसएस ने कभी महिला का सम्मान नहीं किया. आरएसएस ने कभी अपने संगठन में महिला को सम्मान नहीं दिया. कांग्रेस हर एक स्तर पर महिला सहभागिता चाहती है.राहुल गांधी ने कहा, ÷महात्मा गांधी हमेशा महिला हित की बात करते थे. हमारे राजनिती व्यवस्था में कई प्रकार के भेदभाव है. जाति के आधार पर भाषा के आधार पर. कांग्रेस ऐसा नहीं करती.÷ उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी ने महिला प्रधानमंत्री ( इंदिरा गांधी) भी दिया है.÷

**राज्य की वाम सरकार के खिलाफ मोर्चा**–आईएनडीआईए गठबंधन में शामिल वाम दलों की केरल सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने के लिए कोच्चि के मरीन ड्राइव में महिला कांग्रेस द्वारा उल्सा महासंगमम रैली का आयोजन किया गया. यहीं राहुल ने संबोधन किया है. केरल के नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीसन ने बताया कि रैली का उद्देश्य केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों को उजागर करना है. पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ-साथ महिला कांग्रेस के वार्ड स्तर के सभी पदाधिकारी रैली में शामिल हुए हैं.

**माइक का मुंह जनता की ओर मोड़ना चाहता हूं**–इसके पहले दिन में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली के अपने राजनीतिक विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नेतृत्व सभी लाउडस्पीकर और कैमरों को अपनी दिशा में मोड़ना पसंद करते हैं, लेकिन वह माइक का मुंह जनता की ओर मोड़ना पसंद करते हैं.

## राष्ट्रगान का अपमान करने के आरोप में बंगाल बीजेपी के 11 विधायकों पर मामला दर्ज

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 11 विधायकों पर राष्ट्रगान का अपमान करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. इन विधायकों पर इस सप्ताह की शुरुआत में विधानसभा परिसर में दिए गए धरने के दौरान राष्ट्रगान का अपमान करने का आरोप है. संसदीय मामलों के मंत्री शोभनदेव चटर्जी ने कहा कि ये शिकायतें तृणमूल कांग्रेस विधायक दल की ओर से दर्ज कराई गई हैं. तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी के विधायक 29 नवंबर को राज्य के प्रति केंद्र के भेदभावपूर्ण रवैये के खिलाफ प्रदर्शन बंद करने से पहले बीआर आंबेडकर की प्रतिमा के नीचे राष्ट्रगान गा रहे थे. सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी ने राष्ट्रगान के दौरान बीजेपी विधायकों पर राज्य सरकार के खिलाफ नारे लगाने और घंटियां बजाने का आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि राष्ट्रगान बमुश्किल 50 मीटर की दूरी पर गाया जा रहा था. बीजेपी ने कहा कि भले ही टीएमसी विधायक भले ही राष्ट्रगान गा रहे हों, लेकिन उनकी आवाज बहुत धीमी थी, जो उनके विरोध स्थल से सुनाई नहीं पड़ रही थी.

बीजेपी ने आरोप लगाया कि टीएमसी उसके विधायकों को मनगढंत आरोपों में फंसाने की कोशिश कर रही है. वहीं, वरिष्ठ मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने कहा, ''बीजेपी ने राष्ट्रगान के प्रति सम्मान नहीं दिखाया और उचित कार्रवाई शुरू की जा रही है.'' इसके अलावा विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय ने भी कहा कि बीजेपी विधायकों के खिलाफ उचित कदम उठाए जाएंगे. विधानसभा सचिवालय के एक सूत्र ने कहा कि हेयर स्ट्रीट पुलिस थाने ने इस संबंध में 11 बीजेपी सूत्रों के अनुसार कथित घटना का वीडियो फुटेज पुलिस को सौंप दिया गया है. बीजेपी के वरिष्ठ नेता और सिलीगुड़ी के विधायक शंकर घोष ने से कहा कि उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि राष्ट्रगान गाया जा रहा है. उन्होंने कहा, '' हम टीएमसी की तानाशाही और भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध कर रहे था और आंबेडकर की प्रतिमा से थोड़ी ही दूरी पर थे. अगर राष्ट्रगान गाया भी गया तो यह बहुत ही धीमी आवाज में गाया जा रहा था. क्या वे (टीएमसी नेता) राष्ट्रगान के बोल भूल गए थे हमें टीएमसी से देशभक्ति सीखने की जरूरत नहीं है.

## ईडी अधिकारी को 20 लाख की रिश्वत लेते तमिलनाडु पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ा

तमिलनाडु के डिंडीगुल में प्रवर्तन निदेशालय के एक अधिकारी को एक डॉक्टर से 20 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया है. न्यूज एजेंसी एएनआई ने स्थानीय पुलिस के हवाले से शुक्रवार यह जानकारी दी.ईडी के आरोपी अधिकारी का नाम अंकित तिवारी बताया गया है. आरोप है कि अंकित तिवारी ईडी अधिकारियों की अपनी टीम के साथ कई लोगों को धमका रहे थे और प्रवर्तन निदेशालय में उनके मामले को बंद करने के नाम पर रिश्वत ले रहे थे.स्थानीय पुलिस के मुताबिक, डीवीएसी (सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय) के अधिकारियों ने तिवारी को डिंडीगुल में 20 लाख रुपये नकद के साथ पकड़ा है. मामले की जांच चल रही है.

## नित्यानंद के कैलासा के साथ समझौता करना पड़ा महंगा

**नई दिल्ली।** पराग्वे ने अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को बर्खास्त कर दिया है. आरोप है कि अधिकारी ने एक देश के साथ सहयोग ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे, जिसका कोई अस्तित्व नहीं है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी ने भारत से फरार नित्यानंद के कैलासा के साथ डील की थी. न्यूज़ एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, बर्खास्त अधिकारी अर्नाल्डो चामोरो देश के कृषि मंत्री के स्टाफ प्रमुख के रूप में तैनात थे. इस संबंध में उन्होंने गुरुवार (30 नवंबर) को संवाददाताओं से कहा कि उन्हें संयुक्त राज्य कैलासा के कथित अधिकारियों के साथ दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के बाद बर्खास्त कर दिया गया है. अधिकारी ने मूर्ख बनने की बात स्वीकार करते हुए कहा, वे (अधिकारी) आए और पराग्वे की मदद करने की इच्छा व्यक्त की. उन्होंने कई परियोजनाएं पेश कीं, हमने उनकी बात सुनी और बस इतना ही. चमोरो ने कहा कि फर्जी अधिकारियों ने मंत्री कार्लोस जिमेनेज से भी मुलाकात की. हालांकि, उनका मकसद किया था यह अभी पता नहीं चल सका. दोनों पक्षों की ओर से हस्ताक्षरित ज्ञापन में दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की परिकल्पना की गई थी. मंत्रालय के लेटरहेड और आधिकारिक मुहर वाले दस्तावेज में कहा गया है कि पराग्वे हिंदू धर्म, मानवता और पराग्वे गणराज्य में उनके योगदान की प्रशंसा करता है.

# भारत लौटी अंजू के साथ पाकिस्तान में हुई मारपीट? खुद दिया जवाब

पाकिस्तान गई अंजू वापस भारत लौट आई हैं. करीब छह महीने बाद अंजु वाघा बॉर्डर के रास्ते भारत आई हैं. इस बीच अंजू के अचानक भारत आने को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं. हालांकि, अंजू ने कहा कि वह भारत अपने बच्चों से मिलने आई हैं. बच्चों से मिलने के बाद ही वह इस बात का निर्णय लेंगी कि उन्हें पाकिस्तान में रहना है या भारत में.अंजू के गले के निशान को देखते हुए पूछा, ÷क्या पाकिस्तान में आपके साथ मारपीट होती थी?÷ इस पर अंजू ने अपना गला छुपाते हुए कहा कि यह चोट के नहीं, बल्कि उनके नैक्लेस के निशान हैं. उन्होंने आगे कहा, बच्चों की बहुत याद आती थी. बातचीत होती थी, लेकिन बच्चों के बिन नहीं रह सकती. अंजू

के अनुसार जांच एजेंसियों ने उनसे आधे घंटे तक पूछताछ की. मारपीट को लेकर क्या बोली अंजू-टीवी9 से बात करते हुए अंजू ने कहा कि पाकिस्तान में उनके साथ कभी मारपीट नहीं की गई. उन्होंने झिझक के साथ कहा, ÷पाकिस्तान में बहुत मेहमान नवाजी के साथ रखा गया. पहले दिन जब मैं पाकिस्तान गई और वापस भारत आई तब तक वहां के लोगों ने मुझे अच्छे से रखा टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान गई थी अंजू-अंजू ने बताया कि वह 1 महीने के अपने टूरिस्ट वीजा पर पाकिस्तान गई थीं और फिर उसे एक्सटेंड कराया. गौरतलब है कि अंजू अपने फेसबुक फ्रेंड नसरुल्ला से मिलने के लिए जुलाई में पाकिस्तान गई थीं. बाद में बताया गया कि उन्होंने इस्लाम धर्म अपनाकर नसरुल्लाह से शादी कर ली है और अपना नाम बदलकर फातिमा रख लिया है.इसके बाद नसरुल्ला ने कहा था कि अंजू मानसिक रूप से बीमार हैं और अपने बच्चों को बहुत याद करती हैं. अंजू मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कैलोर गांव की रहने वाली हैं. पाकिस्तान जाने से पहले वह राजस्थान के भिवाड़ी में रहती थी.

# अंबाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय में हुई एड्स डे पर संगोष्ठी

अम्बाह- स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबाह के जन्तुविज्ञान विभाग द्वारा विश्व एड्स दिवस के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. दुष्यंत कुमार शर्मा शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय ग्वालियर के वरिष्ठ प्राध्यापक द्वारा विद्यार्थीयों को एड्स की पूर्ण जानकारी एवं बचने के उपाय पर प्रकाश डाला। बताया गया कि एड्स एक घातक बीमारी है जागरूकता ही इसका समाधान है। साथ ही जन्तुविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डी. के. शर्मा द्वारा भी एड्स से सम्बधित जानकारी दी गई इस कार्यक्रम में विभागीय प्राध्यापक डॉ सतेन्द्र सिंह तोमर, प्रो. जितेन्द्र सिंह किरार एवं प्रो नीतू वर्मा के साथ ही स्नातकोत्तर विद्यार्थी शामिल हुए।

# 1 दिसंबर 2023 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय परिसर से पुराना जिला चिकित्सालय परिसर तक पैदल रैली का आयोजन किया गया

**खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे**

1/12/203 को आज खरगोन जिला मुख्यालय के जिला चिकित्सालय परिसर खरगोन से विश्व एड्स दिवस को लेकर पैदल रैली निकाली गई रैली पोस्ट आफिस चौराहे पुराने अस्पताल तक रैली पहुची जो नगर खरगोन के मुख्य चौराहे गायत्री मंदिर बस स्टैंड श्रीकृष्ण टाकीज होते हुए पहुंचे इस रैली निकाल कर जनता को यह संदेश दिया गया की इस घातक बिमारी से खुद भी बचें दुसरो को भी बचाये स्वास्थ्य विभाग की टीम डाक्टर हरश महाजन डाक्टर हरिश चंद अरिया द्वारा उक्त जानकारी दी गई

# जघन्य सनसनीखेज एवं चिन्हित श्रेणी में शामिल प्रकरण में चरित्र पर शंका कर पत्नि की हत्या करने वाले आरोपी को आजीवन कारावास एवं अर्थदण्ड की सजा

**खरगोन जिले से मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे**

सजा26-09-2021 को आरोपी बखिया उर्फ सुमेरसिंह पिता अनवर जाति नहाल द्वारा उसकी पत्नि मृतिका समोतीबाई पर चरित्र शंका को लेकर रात के करीबन 10.00 बजे विवाद करते समय मृतिका के पुत्र एवं सास द्वारा समझा दिया था, उसके बाद फरियादी उसके काका के घर के बाहर खटिया लगा कर सो गया था, माता-पिता व दादी एवं छोटी बहन घर के अन्दर काका के यहा सो गये थे, रात के करीबन 4.00 बजे घर के अन्दर से मृतिका समोतीबाई की जोर-जोर से चिल्लाने की आवाज सुनाई दी, तभी फरियादी के आने पर दरवाजा खोलकर देखा तो उसकी मॉ को उसके पिता द्वारा मारपीट कर रहा था, फरियादी के पिता बखिया ने उसकी मॉ को जलाऊ लकडी (डुट) से उठाकर सिर में मारा, जिससे समोतीबाई बहोश होकर जमीन पर गिर गई, खुन निकलने लगा। फिर भी आरोपी पिता द्वारा उसी लकड़ी से मृतिका समोतीबाई के सिर पर अनेक बार-बार वार किया, जिससे फरियादी कि मॉ समोतीबाई की मौत मौके पर होने की सूचना पर थाना भगवानपुरा पर अपराध क्रमांक 319/21 धारा 302 भादवि का पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया। उक्त सूचना पर थाना प्रभारी भगवानपुरा कावा श्री विश्वेश्वर करील के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर आरोपी बखिया उर्फ सुमेरसिंग पिता अनवर जाति नहाल उम्र 46 साल निवासी ग्राम सिरवेल को दिनांक 28-09-2021 को गिरफ्तार किया गया था।अनुसंधान के दौरान आरोपी बख़िया उर्फ सुमेरसिंह पिता अनवर जाति नहाल के विरुध्द प्रर्याप्त साक्ष्य संकलन कर चालान को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जो माननीय चतुर्थ अपर सत्र न्यायालय खरगोन के सत्र प्रकरण क्रमांक 99/21 पर विचाराधीन था। पुलिस अधीक्षक जिला खरगोन के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में समस्त अनुविभागीय अधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारियों को चिन्हित प्रकरणों में विशेष ध्यान देकर समंस वांरट, जमानतीय वारंट तामील कराने हेतु निर्देशित किया गया गया था। प्रकरण विचारण के दौरान माननीय चतुर्थ अपर सत्र न्यायालय खरगोन द्वारा दिनांक 01-12-2023 को निर्णय पारित करते हुए, जघन्य सनसनीखेज/चिन्हित श्रेणी में शामिल प्रकरण के आरोपी बखिया उर्फ सुमेरसिंग पिता अनवर जाति नहाल उम्र 46 साल निवासी ग्राम सिरवेल को आजीवन कारावास एवं 1000/- रुपये अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है। उक्त प्रकरण जघन्य सनसनीखेज एवं चिन्हित श्रेणी में शामिल प्रकरण के आरोपी बखिया उर्फ सुमेरसिंग पिता अनवर जाति नहाल उम्र 46 साल निवासी ग्राम सिरवेल को सजा दिलाने में जिला लोक अभियोजन अधिकारी खरगोन श्री महेन्द्र भानुप्रिय, तत्कालीन थाना प्रभारी भगवानपुरा निरीक्षक श्री विश्वेश्वर करील, सेवानिवृत बीएम मोरे, सउनि. महेन्द्र सिंह सिसोदिया, जघन्य सनसनी खेज एवं चिन्हित प्रकरण में प्रथम पैरवीकर्ता अधिकारी उनि.पदमसिंह मोर्य, द्वितिय पैरवीकर्ता अधिकारी उनि.दिवानसिंह नरगावें चौकी प्रभारी सिरवेल एवं पुलिस थाना भगवानपुरा स्टाफ का विशेष योगदान रहा है।

# विश्व एड्स दिवस शासकीय अस्पताल में हुआ कार्यक्रम आयोजित

**दैनिक पुष्पाजलि टुडे**

**गोहद:**विश्व एड्स दिवस पर भिण्ड जिले की गोहद तहसील के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोहद में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ ने एड्स जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने एड्स रोग के प्रति जागरूकता के लिए मरीजों से चर्चा की ।मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर वासुदेव सिकारिया ने कहा %वर्ल्ड एड्स दिवस% साल 1988 से हर साल 1 दिसंबर के दिन मनाया जाता है. इस दिन को खास दिवस के रूप में मनाने के पीछे सबसे बड़ा लक्ष्य है एचआईवी संक्रमण के प्रसार के कारण होने वाली एड्स महामारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने

और बीमारी से मरने वालों के प्रति शोक व्यक्त करने के लिए समर्पित है.डॉक्टर धर्मेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया विश्व एड्स दिवस मनाने की शुरुआत 1 दिसंबर 1988 से हुई थी। आज भी एचआईवी एक वैश्विक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है, जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित कर रही है। एचआईवी संक्रमण से लड़ने वाली कोशिकाओं को नष्ट करके प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है और एक्वायर्ड इम्यूनोडिफिशिएंसी सिंड्रोम यानी एड्सका कारण बन सकता है। हाल के दशकों में इसके उपचार में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, यह वायरस सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बना हुआ है।इस अवसर पर डॉक्टर आदित्य शर्मा बीपीएम वीरेन्द्र अटल,बीसीएम राघवेंद्र,लैब टेक्नीशियन राजेंद्र अरेले, विनोद ,रमाकांत मिश्रा नेत्र सहायक अरविंद जोशी रेडियोग्राफर रवि जोशी नर्सिंग आफिसर मुस्कान, रीता तोमर, अन्नपूर्णा, सतेन्द्र श्रीवास इत्यादि स्टाफ मौजूद रहा

# मतगणना में पूरी पारदर्शिता रखने कलेक्टर ने रिटर्निंग अधिकारियों को दिये निर्देश

**खरगोन जिले मुन्ना खान पुष्पांजलि टुडे**

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कर्मवीर शर्मा ने जिले के सभी 06 विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारियों को मतगणना का सारा काम भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपादित करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने मतगणना की सारी तैयारियों को समय रहते इस ढंग से अंजाम देने के निर्देश रिटर्निंग अधिकारियों को दिये जिससे किसी भी तरह की चूक की कोई गुंजाईश न रहे। उन्होंने कहा कि रिटर्निंग अधिकारियों को ईटीपीबीएस से तथा फेसिलिटेशन सेंटर्स पर प्राप्त डाक मतपत्रों की गणना में ज्यादा सतर्कता बरतनी होगी।बैठक में कलेक्टर श्री शर्मा ने सर्विस वोटर्स से ईटीपीबीएस से प्राप्त डाकमत पत्रों के सत्यापन हेतु क्यूआर कोड को स्कैन करने से लेकर डाक मतपत्रों की गणना की प्रक्रिया के बारे में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की जानकारी भी रिटर्निंग अधिकारियों को दी तथा इनका अक्षरशः पालन करने कहा। उन्होनें ईव्हीएम की तरह स्ट्रांग रूम खुलने से लेकर काउंटिंग हाल तक डाक मतपत्रों को ले जाने तथा इनकी गणना की समूची प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने के निर्देश भी दिये।बैठक में रिटर्निंग अधिकारियों से कहा गया कि गणना प्रारम्भ करने के पहले उन्हें ईटीपीबीएस से प्राप्त सर्विस वोटर्स के डाक मतपत्रों, फेसिलिटेशन सेंटर्स में प्राप्त डाक मतपत्रों तथा दिव्यांग एवं 80 प्लस मतदाताओं से प्राप्त किये गये डाकमत पत्रों की जानकारी उम्मीदवारों के अभिकर्ताओं को देनी होगी।

**मतगणना के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी ने पत्रकारों से की चर्चा**

# प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकारों के लिए बनाया गया है मीडिया सेंटर मतगणना कक्ष में मोबाईल के साथ नहीं कर सकेंगे प्रवेश प्रातः 08 बजे से प्रारंभ होगी मतगणना

**दैनिक पुष्पांजली टुडे**

भिण्ड । विधानसभा निर्वाचन 2023 अन्तर्गत मतगणना का कार्य भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अनुमोदित शासकीय आईटीआई परिसर लहार रोड़ भिण्ड में किया जाना है। मतगणना के संबंध में जानकारी प्रदाय करने एवं मीडिया कव्हरेज हेतु की गयी व्यवस्थाओं से अवगत कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव द्वारा जिले के पत्रकारों के साथ बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री श्रीवास्तव ने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना 03 दिसम्बर को प्रातः 08 बजे से प्रारंभ होगी। मतगणना दिवस पर सबसे पहले डाक मतपत्रों और ईटीपीबीएस की गणना प्रारंभ की जाएगी। मतगणना प्रारंभ होने के आधे घण्टे तक यदि डाक मतपत्रों की गणना पूर्ण नहीं हो पाती है तो यह गणना जारी रहेगी तथा साथ ही ईव्हीएम मशीन से मतगणना 8:30 बजे प्रारंभ कर दी जाएगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री श्रीवास्तव ने बताया कि

मतगणना केन्द्र में मोबाईल फोन के साथ प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग, जिला निर्वाचन अधिकारी अथवा सक्षम अधिकारी द्वारा जारी किए गए प्राधिकार पत्रधारी व्यक्ति, पत्रकार एवं अधिकारी, कर्मचारी ही प्रवेश के लिए पात्र होंगे। जिनकी भलीभांति जांच के बाद प्रवेश दिया जाएगा। कैमरे के साथ प्रवेश के लिए मीडिया कर्मियों को छूट रहेगी। लेकिन मतगणना कक्ष तक मोबाइल ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। मीडिया सेंटर तक मोबाइल ले जा सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव श्रीवास्तव ने बताया कि मतगणना के लिए विधानसभावार मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। विधानसभा मेहगांव का प्रथम तल, अटेर, भिण्ड, लहार और गोहद का भू-तल पर मतगणना कक्ष बनाया गया है। विधानसभा क्षेत्र 09-अटेर के लिए ई.व्ही.एम. की टेबल 21 और पोस्टल बैलेट टेबल 03, विधानसभा क्षेत्र 10-भिण्ड के लिए ई.व्ही.एम. की टेबल 21 और पोस्टल बैलेट टेबल 05, विधानसभा क्षेत्र 11-लहार के लिए ई.व्ही.एम. की टेबल 16 और पोस्टल बैलेट टेबल 03, विधानसभा क्षेत्र 12-मेहगांव के लिए ई.व्ही.एम. की टेबल 18 और पोस्टल बैलेट टेबल 03 एवं विधानसभा क्षेत्र 13-गोहद (अ.जा.) के लिए ई.व्ही.एम. की टेबल 14 और पोस्टल बैलेट टेबल 02 लगाई गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री श्रीवास्तव ने बताया कि शासकीय आईटीआई परिसर में पत्रकारों द्वारा मतगणना का मीडिया कव्हरेज करने हेतु एक मीडिया सेंटर बनाया गया है। पत्रकारों को मतगणना हॉल में छोटे-छोटे समूहों में ले जाया जाएगा। मतगणना कक्ष में प्रवेश के दौरान पत्रकार साथी मोबाइल नहीं ले जा सकेंगे। फोटो वीडियो कैमरे से लिए जा सकेंगे।

# मतगणना दिवस में बन्द रहेंगी मदिरा दुकानें

**पुष्पांजलि टुडे**
**राजेश कुमार तिवारी**
**ब्यूरो चीफ सतना**

सतना निर्वाचन आयोग और वाणिज्यिक कर विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरुप लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत मतगणना दिवस में जिलेभर में सभी देशी तथा विदेशी शराब की मदिरा दुकानें बन्द रहेंगी। इस संबंध में जारी आदेश के अनुसार कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अनुराग वर्मा ने मतगणना दिवस 3 दिसंबर को पूरे दिन जिलेभर में मदिरा की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया है। प्रतिबंध की अवधि में मदिरा का क्रय, विक्रय एवं परिवहन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। इसका उल्लंघन करने वालों पर प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

# व्यवस्थाओं की हुई रिहर्सल, मतगणना 3 दिसंबर को

**पुष्पांजलि टुडे**
**राजेश कुमार तिवारी**
**ब्यूरो चीफ सतना**

सतना विधानसभा निर्वाचन 2023 की मतगणना 3 दिसंबर 2023 को प्रातः 8 बजे से शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना के नवीन भवन में की जाएगी। मतगणना के संबंध में निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने प्रातः 11 बजे शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 पहुंचकर व्यवस्थाओं का रिहर्सल कराया। इस मौके पर प्रेक्षक श्रीमती गायत्री कुमारी, सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, आयुक्त नगर निगम अभिषेक गहलोत, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि पवार, सभी रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर उपस्थित थे। शुक्रवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा और पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्रत्येक विधानसभा के गणना कक्षों में जाकर मतगणना के लिए किए गए प्रबंधों और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम से ईवीएम गणना कक्षों में लाये जाने रास्ते, अभिकर्ताओं और एजेंटों के प्रवेश और गणना कक्षों में पहुंचने वाले प्रवेश मार्ग की दृढ़ता और सुरक्षा का अवलोकन किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने गणना कार्य में संलग्न होने वाले एआरओ और अन्य अमले से उनके द्वारा मतगणना के दौरान निर्वहन किये जाने वाले कर्तव्यों और दायित्वों की जानकारी ली। इसी प्रकार पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने सुरक्षा की दृष्टि से तैनात होने वाले पुलिस अधिकारियों, सशस्त्र पुलिस अधिकारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस कर्मियों से वन-टू-वन चर्चा कर ब्रीफिंग की। मतगणना स्थल पर नवीन भवन में विधानसभावार निर्धारित कक्षों में 3 दिसंबर को चक्रवार ईवीएम और डाक मतपत्रों की गणना की जाएगी। इनमें भूतल पर विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 61 चित्रकूट और 62 रैगांव, प्रथम तल पर 63 सतना, 64 नागौद, 65 मैहर और द्वितीय तल पर 66 अमरपाटन और 67 रामपुर बघेलान विधानसभा क्षेत्र की मतगणना अलग-अलग कक्ष में की जाएगी। अभ्यर्थी और उनके अभिकर्ताओं के प्रवेश और काउंटिंग स्टाफ का प्रवेश अलग-अलग मार्गो से होगा। जबकि गणना के समय ईवीएम को लाते समय पूर्ण सुरक्षित मार्ग का उपयोग किया जाएगा। स्ट्रांग रूम से ईवीएम आने-जाने के दौरान उस मार्ग में किसी भी व्यक्ति को आने की इजाजत नहीं होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं की पूरी सुरक्षा के साथ एआरओ ईवीएम को स्ट्रांग रूम से लेकर गणना कक्षों तक अपनी निगरानी में लायेंगे। इस दौरान ईवीएम को लेकर जा रहे व्यक्ति बीच में कहीं रुकेंगे नहीं और ना ही किसी से बातचीत करेंगे।कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने डाक मतपत्रों की गणना के लिए की जा रही तैयारियों, स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गणना कर्मियों के मतगणना टेबल तक आने के मार्ग एवं प्रत्याशियों के गणना अभिकर्ताओं के मतगणना टेबल तक आने के मार्ग का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्ट्रांग रूम से ईव्हीएम लेकर गणना स्थल तक लाने की व्यवस्थाओं को भी देखा। उन्होंने अभ्यर्थियों, गणना अभिकर्ताओं, शासकीय अधिकारी-कर्मचारी, मीडिया कर्मियों के प्रवेश की व्यवस्थाएं देखी एवं मीडिया सेंटर में समुचित व्यवस्थाओं को उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। कलेक्टर और एसपी ने स्ट्रांग रूम पहुंचकर सीसीटीवी कैमरे सहित सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने मतगणना स्थल की सुरक्षा के संबंध में पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये। उन्होने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम पुख्ता रहे। मतगणना स्थल पर धारा 144 प्रभावशील रहेगी। निषेधाज्ञा का पालन कराना सुनिश्चित करें। निर्वाचन आयोग के निर्देश है कि मतगणना स्थल पर केवल प्राधिकार पत्र जारी व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाये। प्रवेश द्वार पर सुरक्षा संभाल रहे अधिकारी सुनिश्चित करें कि प्राधिकृत व्यक्तियों के अलावा कोई अन्य व्यक्ति प्रवेश नहीं करने पाये।

# धवारी तिराहे से प्रेमनगर तिराहे तक मार्ग वाहनों के लिये रहेगा प्रतिबंधित मतगणना के दौरान प्रवेश और पार्किंग की व्यवस्था

**पुष्पांजलि टुडे**
**राजेश कुमार तिवारी**
**ब्यूरो चीफ सतना**

सतना मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदान संपन्न होने के पश्चात मतगणना का कार्य 3 दिसंबर को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में किया जायेगा। मतगणना हेतु उपस्थित होने वाले राजनैतिक दलों के प्रत्याशियों, अभिकर्ताओं के लिये एवं सभी शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों एवं मीडिया कर्मियों के लिये पृथक-पृथक पार्किंग स्थल एवं पृथक-पृथक मार्ग निर्धारित किये गये हैं। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि मतगणना दिवस पर धवारी तिराहे से प्रेमनगर तिराहे तक का मार्ग वाहनों के लिये पूर्णतया प्रतिबंधित रहेगा।

1. व्यंकट क्रमांक 1 स्कूल के पीछे स्थित पार्किंग- यह पार्किंग जो कि धवारी चौराहे से धवारी गली नंबर 5 की ओर धवारी स्टेडियम के सामने स्थित है। यह पार्किंग ग्राउण्ड शासकीय कर्मचारी/अधिकारी/पुलिस अधिकारी/पुलिस कर्मचारी जो भी मतगणना कार्य में लगे हुए है, वे अपने वाहन इन ग्राउण्ड पर खड़े करेंगें। इसके अतिरिक्त अन्य किसी जगह पर उपरोक्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारियों/पुलिस अधिकारी एवं पुलिस कर्मचारी के वाहनों की पार्किंग प्रतिबंधित की गई है। इस पार्किंग में पहुंचने के लिये दो मार्ग रहेंगें।

पहला पहुंच मार्ग- सिविल लाइन से राजेन्द्र नगर होते हुए धवारी चौराहा, धवारी चौराहे से आगे 50 मीटर लेफ्ट मुड़कर पार्किंग क्रमांक 1 पर पार्क होगे ।दूसरा पहुंच मार्ग - कोतवाली तिराहा से प्रेम नगर मोड़ से एमपीव्ही कार्यालय के सामने से दाहिंनी तरफ होते हुए व्यकंट क्रमांक 1 के पीछे वाले गेट से प्रवेश कर पार्किंग में पार्क होगें। इसके अतिरिक्त अन्य किसी मार्ग से उक्त वाहनों का प्रवेश करना प्रतिबंधित रहेगा।

2. रेलवे कालोनी स्थित नवीन पार्किंग ग्राउण्ड- यह पार्किंग ग्राउण्ड रेलवे कॉलोनी के अंदर स्थित है। इस पार्किंग स्थल में समस्त राजनैतिक दलों के प्रत्याशियों के वाहन, अभिकर्ताओं एवं मीडियाकर्मी के वाहन पार्क होगें। इसके अलावा अन्य किसी जगह पर किसी भी प्रकार का वाहन पार्क नही होगे। इस पार्किंग में पहुंचने के लिये दो पहुंच मार्ग निर्धारित किये गये है।

**पार्किंग क्रमांक 2 पहुंच मार्ग प्रथम-** यह मार्ग सिविल लाइन चौराहे से राजेन्द्र नगर रोड होते हुए रेलवे कालोनी मोड़ से 5 मीटर दाहिनी तरफ मुड़कर नवीन बने कच्चे मार्ग से पार्किंग पर पार्क होगे। इनके अलावा समस्त मीडियाकर्मी के वाहन भी इसी पार्किंग में पार्क होंगे। ऐसे समस्त वाहनों को पार्किंग पर पहुंचने के लिये सिविल लाइन होते हुए ही आना होगा। समस्त राजनैतिक दलों के प्रत्याशी, अभिकर्ता एवं मीडियाकर्मी वाहन पार्क कर पैदल मार्ग से व्यंकट क्रमांक 1 के गेट से प्रवेश कर सकेगें।

**पहुंच मार्ग द्वितीय-** प्रेमनगर तिराहे से धवारी तरफ जाने वाला मार्ग प्रेमनगर से धवारी की ओर- ऐसे समस्त राजनैतिक दलों के प्रत्याशियों के वाहन, अभिकर्ताओं एवं मीडियाकर्मी के वाहन जिन्हे रेलवे कालोनी की पार्किंग 2 में पार्क होना है। अपने प्रवेश पत्र का प्रदर्शन करते हुए प्रेमनगर तिराहे से प्रवेश करेगें एवं स्टेशन रोड मोड़ रेलवे कालोनी में पूर्व निर्धारित पार्किंग में वाहनों को पार्क करेगें। यहां यह स्पष्ट रूप से अवगत कराया जाता है, कि कोई भी वाहन प्रेमनगर से स्टेशन रोड मोड़ एवं मोड़ से 100 मीटर मुख्य मार्ग पर कोई भी वाहन पार्क नही होगा। अगर इस मार्ग पर कोई वाहन पार्क किया जाता है तो क्रेन के माध्यम से उन वाहनों को उठवा लिया जावेगा। क्योंकि यह क्षेत्र नो पार्किंग जोन में आयेगा।

**प्रतिबंधित क्षेत्र** - 1. धवारी चौराहे से कलेक्ट्रेट एवं कलेक्ट्रेट से प्रेम नगर तिराहे तक का मार्ग वाहनों के लिये प्रतिबंधित रहेगा। इस मार्ग से कोई भी वाहन प्रवेश नही करेगें।

2. रेलवे कालोनी से प्रेमनगर तिराहा तक का मार्ग वाहनों के लिये प्रतिबंधित रहेगा। इस मार्ग से कोई भी वाहन प्रेमनगर तरफ नही आ जा पायेगें किन्तु इस मार्ग से प्रवेश पत्र धारी, राजनैतिक दलो के नेताओं, मतगणना हेतु अभिकर्ताओं एवं मीडियाकर्मी को प्रवेश पत्र के आधार पर छूट रहेगी।

डायवर्सन-1. ऐसे वाहन जिन्हे धवारी से कोतवाली/बाजार तरफ या कोतवाली बाजार तरफ से धवारी तरफ जाना है। वे वाहन धवारी से धवारी गली नंबर 5 होते हुए प्रेमनगर के अंदर से एमपीव्ही ऑफिस के सामने से प्रेमनगर नगर मोड़ कोतवाली तरफ आ जा सकेगे, या अन्य वैकल्पिक मार्ग सिविल लाइन चौराहा होते हुए गंतव्य स्थानों पर जावेगें।

2. रेलवे कालोनी से प्रेम नगर तिराहे की ओर आने-जाने वाले वाहन अंधेरी पुलिया वाले रास्ते का उपयोग करते हुए आवागमन करेगे, या फिर अन्य वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करेगें।

## फिल्म निर्देशक पुट्टणा कणगल के जन्मदिन पर स्वास्थ्य शिविर का किया आयोजन

**पुष्पाजंली टुडे**

**बेंगलूरू।**कर्नाटक फिल्म डायरेक्टर्स संगठन द्वारा प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक पुट्टणा कणगल के जन्म दिवस के उपलक्ष में महारानी कॉलेज के निकट स्थित कोंडपा बसप्पा ऑडिटोरियम में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं औषधि वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अपोलो हॉस्पिटल के चिकित्सकों ने शिविर में मरीजों की जांच की एवं मारुति मेडिकल्स की तरफ से निशुल्क औषधि वितरित की गई. इस अवसर पर विशेष अतिथि महेंद्र मुणोत, संघ के अध्यक्ष के विश्वनाथ, उपाध्यक्ष एसके नागेंद्र, जगदीश , बी राममूर्ति, सेबेस्टिन एवं मंजूनाथ उपस्थित थे।

## जिला निर्वाचन अधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी व्यवस्थाओं की जानकारी

**पुष्पांजलि टुडे**
**राजेश कुमार तिवारी**
**ब्यूरो चीफ सतना**

सतना मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में मतदान संपन्न होने के पश्चात मतगणना का कार्य 3 दिसंबर को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 सतना में किया जायेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुराग वर्मा ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की प्रेस कॉन्फ्रेंस में मतगणना प्रक्रिया और शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, विधि-सम्यक मतगणना संपन्न कराने के लिये किये गये प्रबंधों तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस मौके पर पुलिस

अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत डॉ परीक्षित झाड़े, उप जिला निर्वाचन अधिकारी ऋषि पवार भी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 3 दिसंबर को प्रातः 8 बजे से मतगणना प्रारंभ की जायेगी। इनमें सबसे पहले डाक मतपत्रों की गणना होगी और इसके 30 मिनट बाद ईवीएम में दर्ज मतों की गणना प्रारंभ की जायेगी। उन्होने बताया कि विधानसभावार अलग-अलग गणना के लिये सात कक्षों में मतगणना की व्यवस्था की गई है। भारत निर्वाचन आयोग के प्राप्त अनुमोदन अनुसार विधानसभा क्षेत्र 65 मैहर और 67 रामपुर बघेलान के गणना कक्ष में 18-18 टेबिल पर ईवीएम की मतगणना होगी। अन्य सभी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 61 चित्रकूट, 62 रैगांव, 63 सतना, 64 नागौद और 66 अमरपाटन में 14-14 टेबिल लगाई जायेंगी। डाक मतपत्रों की गणना के लिये चित्रकूट और मैहर विधानसभा में 2-2, रैगांव, नागौद, अमरपाटन और रामपुर बघेलान में 3-3 तथा सतना विधानसभा में 4 टेबिलें लगाई जा रही हैं। ईवीएम की मतगणना में चित्रकूट और रैगांव की मतगणना 19-19 राउण्ड, सतना, नागौद और अमरपाटन की 20-20 राउण्ड तथा मैहर और रामपुर बघेलान विधानसभा की मतगणना 17-17 राउण्ड में पूरी होगी।

## ओसबोन रोड में हुई श्री अरिहंत सेवा भक्ति मंडल की स्थापना

**दैनिक पुष्पाजंली टुडे**

**बेंगलूरू।**श्री चन्द्रप्रभु श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ ओसबोन रोड की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में श्री अरिहंत सेवा भक्ति मंडल की स्थापना की गई। ओसबोन रोड स्थित जैन मंदिर के बोहरा अराधना भवन में संघ की नेश्रा में आयोजित सभा में प्रभु भक्ति एवं धर्म सेवा के उद्धेश्य से इस मंडल की स्थापना की गई। संघ पदाधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलन से प्रारंभ सभा में लता सोलंकी ने सभी का स्वागत किया। प्रेमा जैन, मीना चतुर, रुचि नानेचा, चंचल गुलेच्छा आदि के मंगलाचरण से सभा की विधिवत शुरुआत हुई। अल्पेश गुरूजी ने

नवीन मंडल के सदस्यों को आशीर्वाद देते हुए अधिक से अधिक प्रभु भक्ति से जुड़कर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। श्री संघ द्वारा मंडल के पदाधिकारियों की घोषणा की गई।चंचल गुलेच्छा को अध्यक्ष, सीमा बोहरा को उपाध्यक्ष, लता सोलंकी को मंत्री, चेतना लुणावत को कोषाध्यक्ष एवं रेखा मेहता को सह मंत्री के पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही वीणा बोहरा, मीना चतुर, संजना कावेडिया इत्यादि को कार्यकारिणी में सम्मिलित किया गया। इस अवसर पर श्री संघ के अध्यक्ष इंदरचंद बोहरा, रमेश बोहरा, जयचंद चतुर, जयचंद लुनावत, महेंद्र सोलंकी, सुरेश बोहरा, किशन बोहरा, नरेश बोहरा इत्यादि ने नवीन मंडल को मार्गदर्शन दिया। वीणा बोहरा ने आभार व्यक्त किया।

## शरारती तत्व ने शिव मंदिर में की तोड़फोड़

**दैनिक पुष्पाजलि टुडे**

गोहद थाना क्षेत्र के चितोरा गांव में नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में शिव मंदिर बना हुआ है जिसमें शिव परिवार हनुमान जी एवं माता रानी सहित अन्य मूर्ति भी विराजमान हैं जहां गुरुवार शुक्रवार की दरमियानी रात को अज्ञात शरारती तत्वों ने मंदिर में तोड़फोड़ कर दी जिसमें मंदिर के गेट पर लगा हुआ कांच तोड़ दिया वहीं मंदिर में अंदर शिवजी की मूर्ति तोड़ दी एवं अन्य मूर्तियों में भी तोड़फोड़ कर दी जिसकी सूचना शुक्रवार की सुबह पुलिस को लगी पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालते हुए पूछताछ की जिसमे संदिग्ध लोगों को शक के दायरे में लेते हुए उससे पूछताछ शुरू कर दी है गोहद पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला भी दर्ज कर लिया है मंदिर मैं तोड़फोड़ की सूचना मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए थे जहां प्रशासन ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और मामले को शांत कराया वहीं प्रशासनिक अधिकारियों से दूसरी प्रतिमाएं विराजमान करने के लिए भी बात की

## नगर परिषद द्वारा नगर में निरंतर जारी है जलकर एवं समेकित/सम्पत्ति कर वसूली अभियान।

मुंगावली -दैनिक पुष्पांजली टुडे संवाददाता जितेंद्र राय -

नगर परिषद मुंगावली द्वारा नगर परिषद सीएमओ विनोद उन्नितान के निर्देश पर नगर में जलकर वसूली एवं समेकित संपत्ति कर वसूली अभियान प्रारंभ किया गया है शुक्रवार को भी वसूली टीम द्वारा घर-घर जाकर बकायादारों से जलकर एवं संपत्ति कर की रसीद देखी जा रही हैं टैक्स जमा न होने पर नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गई है एवं सम्पत्ति कर जमा न होने पर सम्पत्ति कुर्की कार्यवाही भी की जाएगी प्रत्येक वार्ड में दल बनाये गए हैं जो निरंतर वसूली कार्यवाही करेंगे। जो कि प्रतिदिन प्रत्येक वार्ड में निरंतर जारी रहेगी । जल कर वसूली प्रभारी नवेदकाजी एवं राजकुमार विश्वकर्मा द्वारा जलकर वसूली कार्यवाही की गई जल कर वसूली टीम में नवेद काजी राजकुमार विश्वकर्मा अजय राजपूत समेकित सम्पत्ति कर टीम में देवेन्द्र राजपूत धनसिंह मोगिया शैलेष अग्रवाल अनिल नामदेव श्रीराम चिढार मनोज तामरे अमित पवार जितेन्द्र तामरे आदि उपस्थित रहे।

### संत, साधु, ब्राह्मण और अग्नि को साधारण नहीं समझना चाहिए :पं. प्रदीप मिश्रा

## दंदरौआ धाम में हो रही है शिवमहापुराण की कथा आज अंतिम दिवस कथा का समय सुबह 9 बजे से 12 बजे तक रहेगा

**उमाकान्त शर्मा दैनिक पुष्पांजली टुडे**

**भिण्ड।** शिव महापुराण की कथा सुनकर हमने अपना जीवन सार्थक कर लिया है, आज हम और आप अपने जीवन की सार्थकता को स्वीकार कर लें। संसार में 84 लाख योनियों में आखिरी यानी मनुष्य है मनुष्य की 83 लाख 99 हजार 999 के काटने के बाद हमें मनुष्य योनि हमें मिली हैं लेकिन मनुष्य योनि में ही आप को महाशिवपुराण को सुनने को मिल पाती है। यह उद्गार दंदरौआ धाम में गुरु महाराज मंहत बाबा पुरुषोत्तमदास जी महाराज की पुण्य स्मृति में आयोजित हो रहे 27वे वार्षिक महोत्सव के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय कथा वाचक पं. प्रदीप मिश्रा सीहोर वाले द्वारा शिव महापुराण की कथा के दौरान प्रवचन करते हुए व्यक्त किए।उन्होंने कहा कि भगवान शिव की भक्ति प्राप्त करने के लिए सती जैसा त्याग होना चाहिए। हमारे शास्त्र कहते हैं कि स्त्री पर हाथ न उठाएं, स्त्री को गाली नहीं देनी चाहिए, किसी संत को कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए, जो हमारी दृष्टि है कि हम संत को छोटा- बड़ा समझते हैं। संत, साधु, ब्राह्मण, अग्नि को साधारण नहीं समझना चाहिए क्योंकि अग्नि की एक चिंगारी ही सभी सामग्री को भस्म करने में सक्षम है, इसलिए संत को कभी भी साधारण नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपके यहां कोई गरीब काम करने वाली स्त्री आती है तो वह अपनी मांग में सिंदूर लगाती हैं लेकिन एक अमीर घर की स्त्री मांग भरने में संकोच करती हैं। जब गरीब स्त्री से आप पूछेंगे कि मांग में सिंदूर क्यों भरती हो तो वह कहती हैं कि मेरा पति भी मेरे साथ काम करता है। आपका विश्वास और भरोसा ही सनातन धर्म को मजबूत करता है।पं. प्रदीप मिश्रा ने प्रवचन करते हुए कहा कि महादेव के लिए शंभू शब्द आता हैड़ शंभू का अर्थ स्वयं भू है, शिव और शक्ति एक साथ रहते हैं। हनुमान जी का जो सिर है वह शिव है और पूंछ है वह शक्ति है। माता के पल्लू, नारी की चोटी और हनुमान जी की पूंछ में दुर्गा जी समाहित रहती हैं। शास्त्र कहता है कि 24 घंटे भगवान का भजन करना चाहिए लेकिन मनुष्य को जितना समय मिले उसे भजन में लगाना चाहिए। भगवान शिव जी कृपालु, करुणा सागर हैं। हमारे घर में जो टेंशन रहती है, जो समस्या रहती है उसकी तरंगें हमारे घर के जल में मिलती है। अगर आप भगवान भोलेनाथ को अपने घर का जल चढ़ाएंगे तो आप के घर की समस्याओं को हल शंकर भगवान करेंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो शंकर का भक्त होता है वह किसी के गाली देने पर भी कभी जवाब नहीं देता है। शंकर की आराधना करने वाला, शंकर की उपासना करने वाला शिव भक्त कभी जवाब नहीं देता उसका जवाब स्वयं भगवान शंकर देते हैं।

शनिवार को अंतिम दिवस शिव महापुराण कथा का समय सुबह नौ बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा। यज्ञाचार्य पं. रामस्वरूप शास्त्री

द्वारा अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए यज्ञ पूजन प्रातः कराया जाएगा।तथा कार्यक्रम की व्यवस्था वृंदावन धाम के महंत श्रीश्री 108 राधिकादास महाराज देख रहे हैं। सुबह 10 बजे से अजय याग्निक एवं उनकी टीम द्वारा संगीतमयी सुन्दरकांड का पाठ किया गया। कथा श्रवण के लिए कथा पण्डाल में कमलदास जी महाराज टीकरी, मंहत प्रेमदास महाराज गुतौर, महंत कालिदास महाराज तेजपुरा, रामवरन पुजारी, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य, पूर्व विधायक राकेश शुक्ला, जलज त्रिपाठी,सहित लाखों की संख्या में महिलाएं और पुरुष मौजूद रहे।

संपादकीय

## भाषाई चिंतन

हिंदी भाषा की पवित्रता,व्यापकता ही हिंदी को वैश्विक फलक प्रदान करती है। हिंदी भाषा न सिर्फ करोड़ों भारतीय के दिलों में बसी हुई भाषा है बल्कि विदेशों में भी करोड़ों लोगों के मध्य संवाद की भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है ष्राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक हैष् हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं जैसे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, श्री इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार–प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है। स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है। हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा षहिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं कियाष यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल मैं पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है। इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है। यही कारण है कि विदेशी कंपनियां अपने सभी विज्ञापनों एवं सामानों में हिंदी भाषा का उपयोग कर भारतीय जनमानस को अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करना चाहती है।यही वजह है कि हिंदी का व्यापक प्रचार–प्रसार भी इसी माध्यम से हो रहा है। विदेशों में भारतीय फिल्मों ने भी हिंदी का बड़ा और वृहद प्रचार प्रसार किया है। ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, रूस मैं निवासरत भारतीय लोग हिंदी के प्रचार में निरंतर लगे हुए हैं। वहां हिंदी बोली तथा समझी जाती है। एनी बेसेंट ने सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह है हिंदी, जो हिंदी जानता है पूरे भारत की यात्रा कर हिंदी बोलने वाला से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा भी अपने सामानों को बेचने के लिए हिंदी भाषा का प्रयोग करना पड़ रहा है। भारत में कुछ काले अंग्रेज लोग जो सिर्फ महानगरों में अंग्रेजी को ही महत्त्व देते हैं, उन्हें इस बात को समझ जाना चाहिए की भविष्य में हिंदी का भविष्य वैश्विक स्तर पर उज्जवल है। और उन्हें हिंदी भाषा बोलने में शर्म नहीं आनी चाहिए। अंग्रेजी भाषा एक अंतरराष्ट्रीय भाषा है वह जरूर बड़ी कंपनियों मैं विदेश में नौकरी दिलाने का माध्यम बन सकती है, पर हिंदी देश का गौरव और नागरिकों की आत्माओं में बसी एक पवित्र धारा है ।अंग्रेजी भाषा रोजगार मूलक जरूर हो सकती है, पर केवल इसी कारण हिंदी की अवहेलना और उपेक्षा किसी भी स्तर पर तर्कसंगत नहीं है। भारतीयों को हिंदी के आत्म गौरव को विस्मृत नहीं करना चाहिए। हिंदी देश को भावनात्मक एकता के सूत्र में बांधे में सक्षम भारत की एकमात्र सशक्त भाषा है। हिंदी की गहराई तथा विशालता किसी बात से इंगित होती है कि भारतीय ग्रंथों और बड़े मूर्धन्य लेखकों की किताबों का अनुवाद विश्व की अनेक भाषाओं में किया गया है। और हिंदी की रामायण गीता रामचरितमानस वैश्विक स्तर पर पढ़ी जाती है। इसे राष्ट्रभाषा बनाकर शीर्ष में सम्मान देने की आवश्यकता है। भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने हिंदी की प्रगति के लिए कुछ पंक्तियां कही है जो आज भी उल्लेखनीय है, निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बृज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को शूल। जय हिंदी जय हिंदुस्तान हिंदी भाषा अमर रहे।

# हादसा और हकीकत

**अशोक कुमार सिंह**

*कार्तिक अमावस्या की काली रात, जब देश का आसमान घुप्प स्याह हो गया था और लोग दीयों से अपनी जिंदगियों में रौशनी भरने में लगे थे, तब इन मजदूरों और इनके परिजनों के लिए रात और काली हो गई थी।*

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में प्रचार का दौर अब खत्म हो गया है। 28 नवंबर की शाम को मतदान के आखिरी दौर यानी तेलंगाना में चुनावों के पहले का प्रचार भी खत्म हो गया। इससे पहले मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान में चुनाव हो चुके हैं। 30 तारीख को तेलंगाना में मतदान होगा और उसके बाद 3 दिसंबर को नतीजे आ जाएंगे। यानी 30 नवंबर से 3 दिसंबर तक प्रधानमंत्री के पास कम से कम चुनावों का कोई काम नहीं होगा। वर्ना वे साल में तीन चौथाई समय इसी में व्यस्त रहते हैं। बचा एक चौथाई वक्त, हरी झंडी दिखाने, मंदिरों में पूजा–पाठ, नियुक्ति पत्र वितरण या फिर मन की बात में निकल जाता है। अभी पांच राज्यों के चुनाव थे, तो श्री मोदी की व्यस्तता अत्यंत बढ़ गई थी। आखिर सारे कामों में सबसे जरूरी उनके लिए भाजपा का प्रचार करना ही तो है। उन्हें भाजपा की खातिर विश्वकप क्रिकेट का फाइनल मुकाबला देखने अहमदाबाद जाना पड़ा, फिर बंगलुरू में तेजस में उड़ान भरनी पड़ी, इसके बाद तिरूपति जाकर बालाजी के दर्शन भी करने पड़े और इन सबके बीच 26 नवंबर को उन्होंने मन की बात भी की। भाजपा सही कहती है कि श्री मोदी 18 घंटे काम करते हैं। मात्र तीन घंटे सोने वाले श्री मोदी दिल्ली से ढाई हजार किलोमीटर दूर मणिपुर नहीं जा पाए। वे दिल्ली से 423 किमी दूर सिलक्यारा भी कम से कम इन पंक्तियों के लिखने तक नहीं पहुंच पाए। उत्तरकाशी का सिलक्यारा 17 दिनों पहले तब सुर्खियों में आया, जब दीपावली के दिन खबर आई कि यहां बनाई जा रही साढ़े चार किमी की सुरंग में 41 मजदूर फंस गए हैं। कार्तिक अमावस्या की काली रात, जब देश का आसमान घुप्प स्याह हो गया था और लोग दीयों से अपनी जिंदगियों में रौशनी भरने में लगे थे, तब इन मजदूरों और इनके परिजनों के लिए रात और काली हो गई थी। अमावस्या से पूर्णिमा तक दिन गुजरते गए, इस दौरान इन मजदूरों के परिजन हर पल आस लगाए बैठे रहे कि किसी तरह उनके अपने अंधेरी सुरंग से बाहर निकल आएं। बचाव और राहत कार्य की कोशिशें जारी रहीं। विदेशों से मशीन मंगाई गई, उससे काम नहीं बना तो दूसरे तरीके आजमाए गए। मजदूरों से किसी तरह संवाद कायम रखा गया, उनकी खैर–खबर ली जाती रही। किसी ने बताया कि दैवीय प्रकोप यानी देवता के रुष्ट होने के कारण यह हादसा हुआ तो सुरंग के मुहाने पर बाबा बौखनाग का मंदिर अस्थायी तौर पर बनाया गया। यहां के लोगों में से कुछ का कहना है कि सुरंग बनाने के लिए पहले बने यहां के मंदिर को हटाया गया था, इसलिए यह हादसा हुआ। अब यह सोचने वाली बात है कि प्रकोप का शिकार मजदूर ही क्यों बने। अगर उन्होंने मंदिर पहले तोड़ा भी था, तो वो किसी के आदेश पर ही किया था, और ऐसे में सारा दोष आदेश देने वाले का हुआ, मजदूरों का नहीं। लेकिन जब बात धार्मिक मान्यताओं की हो तो वहां तर्कों को खारिज कर दिया जाता है। मुख्यमंत्री ध ामी ने अपने ट्वीट में सबसे पहले बाबा बौखनाग की कृपा ही मानी है कि सभी मजदूरों के निकलने की आस बनी है। कल ही यहां पूर्व सेनाध्यक्ष और केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री वी के सिंह पूजा करते भी दिखे। एक टीवी चौनल ने ये भी दिखाया कि मंदिर के पास ही चट्टान पर एक आकृति उभरी है, जो शिवजी की तरह लग रही है। अमूमन आम लोग इस तरह की बातें करते हैं कि किसी पेड़ पर, फल को बीच में या चट्टान पर किसी देवता या देवी की आकृ ति नजर आई। यह विशुद्ध आस्था की बातें होती हैं और इनका कोई ठोस वैज्ञानिक आधार नहीं होता। जिस आकृति में एक धर्म के लोगों को अपने ईष्ट नजर आ सकते हैं, वही आकृति दूसरे धर्म के लोगों के लिए महज एक डिजाइन हो सकती है। पत्रकारिता में ऐसी बातों का जरा भी स्थान नहीं होना चाहिए। क्योंकि इनसे हम किसी न किसी तरह अंधविश्वास को बढ़ावा देते हैं। कहने को तो 21 सितंबर 1995 को पूरे देश में भगवान गणेश की प्रतिमाओं ने दूध पीना शुरु कर दिया था, यह खबर दुनिया भर के देशों में भी फैली थी और वहां भी कई भारतीयों ने मूर्ति को दूध पिलाने की कोशिश की थी। अफवाह फैलाने का एक सफल प्रयोग सिद्ध हुआ था और यह तय हो गया था कि भारतीयों के पास अगर चांद तक पहुंच रखने वाला दिमाग है, तो अंधविश्वासों को खुद पर हावी होने देने वाला दिल भी है। इस दिल और दिमाग के बीच जुगलबंदी बिठाते हुए सत्ता का खेल बखूबी खेला जा रहा है। बहरहाल, जिसकी जो निजी आस्था है, वो उसे अपने तक सीमित रखे, उसका सार्वजनिक बखान बिल्कुल नहीं होना चाहिए। मगर अब न पत्रकारिता में ऐसे मूल्यों को महत्व दिया जा रहा है, न राजनीति में। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक खबर ये है कि सिलक्यारा की सुरंग में बस दो मीटर की खुदाई और करना है, फिर मजदूरों को बाहर निकाला जा सकता है। मजदूर आज की रात खुली हवा में सांस ले पाएंगे और कल का सूरज देख पाएंगे। उनका हौसला बना रहे, इसके लिए एक दूसरे पाइप के जरिए एंबुलेंस और भोजन–पानी पहुंचाया जा चुका है। बाहर निकलते ही मजदूरों के स्वास्थ्य की देखभाल का इंतजाम किया गया है। सुरंग में ये बचाव कार्य भारत का अब तक सबसे बड़ा ऑपरेशन माना जा रहा है। और इस ऑपरेशन में लगे तमाम लोगों की पहचान उनकी योग्यता और काम से हो सकती है, कपड़ों से नहीं। अगर पहचान करनी ही है तो अब उन कारणों को पहचानना चाहिए, जिसकी वजह से ये हादसा हुआ और 41 जिंदगियां खतरे में पड़ गई। चारधाम यात्रा को साल भर करने की जिद पहाड़ों पर भारी पड़ रही है। हिमालय नया पहाड़ है और इस पर पड़ने वाले दबाव का अंजाम केदारनाथ हादसे में देश भुगत चुका है। प्रकृति और विज्ञान दोनों की चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए पहाड़ में सुरंग खोदी जा रही है। आश्चर्य नहीं होगा, अगर कुछ दिनों की शांति के बाद यहां फिर से काम शुरु हो जाए। और सुरंग बनने के बाद प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री उसका उद्घाटन करते दिखें।

# टहनियों तक जाये बिना सर्वोत्तम फल नहीं मिलेगा

**प्रियंका सौरभ**

"मंजिल मिल ही जाएगी भटकते हुए ही सही, गुमराह तो वो हैं जो घर से निकले ही नहीं।"लोग नई चीजें हासिल करने के बजाय आसान चीजों में लग जाते हैं। लोग नई चीजों का आविष्कार करने या अपना खुद का स्टार्टअप बनाने के बजाय और सुरक्षित नौकरियों में चले जाते हैं। इसके अलावा, डर से आत्मविश्वास और अपने ऊपर भरोसे की कमी भी हो सकती है। जो व्यक्ति लगातार डर के साथ जी रहे हैं, वे अपनी क्षमताओं पर संदेह करते हैं और जोखिम लेने के साथ आने वाली चुनौतियों के लिए खुद को तैयार नहीं पाते हैं। सिडनी बॉक्सिंग डे टेस्ट में सचिन तेंदुलकर पहली पारी में अपनी कम क्षमता के कारण नहीं बल्कि ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद के डर के कारण आउट हुए। अगली पारी में उन्होंने किसी भी ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद को न खेलने का जोखिम उठाने के लिए मानसिक रूप से तैयारी की और इसके परिणामस्वरूप ऐतिहासिक दोहरा शतक बनाया। 13वीं शताब्दी ई. में एक दर्जन से अधिक जहाज के कप्तान छोटे–छोटे मार्गों से होने वाले समुद्री व्यापार और खोज में व्यस्त थे। लेकिन लंबी यात्रा का डर, मौसम की अनिश्चितता का डर, समुद्र का डर और अंततः अज्ञात के डर ने उन्हें लम्बी समुद्री यात्रा में जाने से रोक दिया। बहादुर और साहस वाले व्यक्ति ने समुद्र की इस चुनौती को स्वीकार किया और लंबी तथा असंभव यात्रा शुरू की। उन्होंने सभी प्रतिकूलताओं के खिलाफ जाने और नई दुनिया की खोज करने का जोखिम उठाया। इसके परिणामस्वरूप एक नए समुद्री मार्ग की खोज हुई और भारतीय उपमहाद्वीप के साथ यूरोपीय व्यापार शुरू हुआ। जोखिम उठाने का परिणाम उन्हें न केवल थोड़े समय में अधिशेष व्यापार के रूप में मिला, बल्कि लंबे समय तक उनका नाम भारतीय उपमहाद्वीप में आने वाले पहले व्यक्ति के रूप में इतिहास के पन्नों पर अंकित हो गया और उनका नाम है वास्को डी गामा। डर एक प्राकृतिक मानवीय भावना है जो अक्सर जोखिम लेने में बाधा के रूप में कार्य करती है । यह एक शक्तिशाली प्रभाव है जो व्यक्तियों को पंगु बना सकती है, उन्हें उनकी वास्तविक क्षमता प्राप्त करने से रोक सकती है। यह शोध किया गया है कि कैसे डर के साथ रहना हमें जोखिम लेने से रोक सकता है, विकास और सफलता के अवसरों से वंचित कर सकता है। हालाँकि, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकले बिना, हम कभी भी जीवन में सर्वोत्तम परिणाम प्राप्त नहीं कर पाएंगे। जोखिम लेने के सकारात्मक पहलुओं की जांच करके, हम डर पर काबू पाने और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसरों को अपनाने के महत्व को समझ सकते हैं। जोखिम लेने की क्षमता में सबसे बड़ा स्पीड ब्रेकररू डर डर विभिन्न रूपों में प्रकट हो सकता है, जैसे असफलता, अस्वीकृति या अज्ञात का डर। यह व्यक्तियों को अलग–अलग तरह से प्रभावित करता है और उनकी निर्णय लेने की क्षमता पर असर डाल सकता है। हमारे पास पानीपत की तीसरी लड़ाई का एक बड़ा उदाहरण है जहां दुश्मन का डर खुद से ज्यादा शक्तिशाली था। इसने मराठों को मानसिक रूप से बीमार बना दिया और उनके निर्णय खंडित हो गए, और इससे मराठाओं की सबसे बड़ी हार हुई। लोग अक्सर अपनी वर्तमान परिस्थितियों के साथ सहज हो जाते हैं, जोखिम लेने के बजाय अपने आराम क्षेत्र के दायरे में रहना पसंद करते हैं। असफलता का डर व्यक्तियों को पीछे ध ाकेल देता है, क्योंकि वे शर्मिंदगी, निराशा या वित्तीय नुकसान जैसे संभावित परिणामों से डरते हैं। डॉक्यूमेंट्री 14 पीक्स में , हम उस आदमी को देखते हैं जिसे किसी चीज का डर नहीं है, वह आसानी से जोखिम ले सकता है और कल्पना से परे जा सकता है। उस एक युवा ने मजबूत मानसिकता के साथ 14 चोटियों पर विजय प्राप्त की। साथ ही, यह डर एक बाधा बन जाता है, जो उन्हें नई संभावनाएं तलाशने से रोकता है। लोग नई चीजें हासिल करने के बजाय आसान चीजों में लग जाते हैं। लोग नई चीजों का आविष्कार करने या अपना खुद का स्टार्टअप बनाने के बजाय और सुरक्षित नौकरियों में चले जाते हैं। इसके अलावा, डर से आत्मविश्वास और अपने ऊपर भरोसे की कमी भी हो सकती है। जो व्यक्ति लगातार डर के साथ जी रहे हैं, वे अपनी क्षमताओं पर संदेह करते हैं और जोखिम लेने के साथ आने वाली चुनौतियों के लिए खुद को तैयार नहीं पाते हैं। सिडनी बॉक्सिंग डे टेस्ट में सचिन तेंदुलकर पहली पारी में अपनी कम क्षमता के कारण नहीं बल्कि ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद के डर के कारण आउट हुए। अगली पारी में उन्होंने किसी भी ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद को न खेलने का जोखिम उठाने के लिए मानसिक रूप से तैयारी की और इसके परिणामस्वरूप ऐतिहासिक दोहरा शतक बनाया। डर व्यक्तियों को किसी भी स्थिति के नकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करता है, जिससे जोखिम के विपरीत मानसिकता पैदा होती है । वे अज्ञात क्षेत्र में जाने की बजाय यथास्थिति पर कायम रहने के इच्छुक हो सकते हैं। जोखिम लेने के प्रति यह नापसंदगी किसी की क्षमता को सीमित कर सकती है और व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों क्षेत्रों में प्रगति में बाधा उत्पन्न कर सकती है। जोखिम उठाएं और सार्थक परिणाम पाएं हालाँकि डर के साथ जीना सुरक्षित और आरामदायक लग सकता है, लेकिन यह अंततः व्यक्तियों को जीवन से सर्वश्रेष्ठ प्राप्त करने से रोकता है। महात्मा गांधी ने बिल्कुल नई तरह का सत्याग्रह शुरू करने का जोखिम उठाया। कई लोगों ने उनकी आलोचना की लेकिन उनके अनोखे विचार ने न केवल उन्हें महानतम नेताओं में से एक बनाया बल्कि देश की आजादी हासिल करने में भी मदद की। व्यक्तिगत विकास, नवाचार और सफलता के लिए जोखिम उठाना आवश्यक है। जोखिम उठाना व्यक्तियों को अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने की चुनौती देता है, जिससे उन्हें नए अवसरों और अनुभवों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। मैडम क्यूरी का उदाहरण यहाँ उपयुक्त है। उसने रेडियोऐक्टिविटी का प्रयोग करने का जोखिम उठाया। किसी ने भी उन पर विश्वास नहीं किया लेकिन उनके सकारात्मक दृष्टिकोण से रेडियोधर्मी तत्वों पर सफल परिणाम मिले और उन्हें अपने अनुकरणीय कार्य के लिए दो नोबेल पुरस्कार मिले। इसके अलावा, जोखिम उठाना व्यक्तिगत विकास, लचीलापन और अनुकूलन क्षमता को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान करता है। हंगरी की एथलीट कैरोली टाकाक्स इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। द्वितीय विश्व युद्ध में एक हाथ खोने के बाद उन्होंने साहस दिखाया और फिर से ओलंपिक में भाग लेने का जोखिम उठाया। खुद लगातार मेहनत और जीत के सकारात्मक रवैये ने ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिला दिया। इसके अतिरिक्त, केवल जोखिम लेने में संलग्न होकर ही व्यक्ति अपने सच्चे जुनून और क्षमता की खोज कर सकते हैं। यह व्यक्तियों को अपनी सीमाओं का परीक्षण करने के लिए प्रेरित करता है, उन्हें असफलताओं से सीखने और उन सबक को अपनाने में सक्षम बनाता है जो अन्यथा संभव नहीं होते। क्या डर हमेशा बुरा होता है? प्रतिपक्ष पर सोच उत्तर है– नहीं। डर का आयाम सापेक्ष भी है और व्यक्तिपरक भी। बचपन में हम बच्चों को सजा का डर दिखाते हैं। इससे वे अधिक अनुशासित हो जाते हैं । इसलिए जीवन में कुछ डर जरूरी हैं। कानून का डर कानून व्यवस्था को प्रभावशाली बनाता है, समाज का डर लोगों को जिम्मेदार और जवाबदेह बनाता है और विफलता का डर लोगों को कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करता है। कल्पना से परे जाना आप जो कुछ भी चाहते हैं वह डर के दूसरी तरफ है जबकि जोखिम लेने के फायदे स्पष्ट हैं, यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि डर पर काबू पाना कहना जितना आसान है, करने में उतना आसान नहीं है। डर मानव मनोविज्ञान में गहराई से समाया हुआ है और इसका पूर्ण उन्मूलन संभव नहीं है। हालाँकि, व्यक्ति डर को कम करने और जोखिम लेने की मानसिकता विकसित करने के लिए रणनीतियाँ अपना सकते हैं। डर अक्सर संभावित परिणामों के नकारात्मक दृष्टिकोण से उत्पन्न होता है। अपनी मानसिकता को नए सिरे से तैयार करके और जोखिम लेने के सकारात्मक पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करके, हम डर को कम कर सकते हैं और आत्मविश्वास को मजबूत कर सकते हैं।

# जिंदगी की जीत

उजाले के पर्व दिवाली के दिन जिन 41 परिवारों के आंगन में अंधेरे का साया मंडराया था, मंगलवार को उन घरों में असली दिवाली मानने का मौका आया। सारा देश उन श्रमिकों के सुरक्षित बाहर आने के लिये प्रार्थना कर रहा था, जो 12 नवंबर को ऑलवेदर रोड के लिये बनायी जा रही सिलक्यारा सुरंग धंसने से उसके अंदर फंस गये थे। शायद भारत के इतिहास में पहला मौका होगा कि आम श्रमिकों को बचाने के लिये इतने बड़े पैमाने पर बचाव–राहत का अभियान चलाया गया। कदम–कदम पर बाधाएं आई। लेकिन केंद्र व उत्तराखंड सरकार की सजगता–सक्रियता आखिर रंग लायी और हादसे के सत्रहवें दिन 400 घंटे तक गुफा में फंसने के बाद सारे श्रमिक सकुशल बाहर निकले। इस बात की मुक्तकंठ से प्रशंसा करनी होगी कि कई केंद्रीय मंत्रालयों, बचाव कार्य में लगी राहत एजेंसियों, सेना, वायु सेना, बीआरओ तथा अंतर्राष्ट्रीय सुरंग विशेषज्ञों ने एकजुट होकर इस अभियान में भाग लिया। भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि उसके लिये हर नागरिक की जिंदगी कीमती है, अब चाहे वह एक आम श्रमिक क्यों न हों। निश्चित रूप से इस अभियान ने उन करोड़ों श्रमिकों का मनोबल बढ़ाया है जो राष्ट्र निर्माण के कार्य में प्राणपण से जुटे हैं। उनमें संदेश गया कि देश को उनके योगदान का भान है और उनकी चिंता पूरे देश को है। हमें उन श्रमिकों के मनोबल की प्रशंसा करनी होगी, जिन्होंने सत्रह दिन तक भयावह परिस्थितियों में धैर्य नहीं खोया। इतने लंबे चले बचाव अभियान के दौरान कई लोग गहरे अवसाद में आ सकते थे। लेकिन फंसे श्रमिकों तक समय पर हवा, पानी, बिजली व भोजन भेजने की व्यवस्था ने उनका मनोबल बढ़ाया कि राष्ट्र उनके लिये फिक्रमंद है और उन्हें बचाने के गंभीर प्रयास निरंतर जारी हैं। निश्चित रूप से इन श्रमिकों के बचाव के लिये चलाया गया यह सफल अभियान इस बात का प्रमाण है कि विभिन्न सरकारों, मंत्रालयों व राहत–बचाव में लगी एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल से हर मुसीबत का सामना किया जा सकता है। बहरहाल, सिलक्यारा सुरंग धंसने और उसके बाद चले बचाव अभियान में आई बाधाओं ने हमें तमाम सबक दिये हैं। यह भी कि ऐसी सुरंग बनाने से पहले भूस्खलन की आशंका और पहाड़ की क्षमता का वैज्ञानिक आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए। साथ ही ऐसी सुरंगों के भीतर उनके धंसने की स्थिति में राहत–बचाव कार्य की वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए। जिन मोटे पाइपों के जरिये , ऊपर से गिरे मलबे के बीच से गुजारकर, श्रमिकों को बाहर निकाला गया, उन्हें निर्माणधीन सुरंगों के साथ अनिवार्य रूप से लगाया जाना चाहिए। यदि ऐसा हादसा होता है तो किसी सुरंग के धंसने की स्थिति में बचाव का रास्ता बचा रहे। साथ ही नीति नियंताओं को ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया के सबसे युवा हिमालयी पहाड़ों पर बड़ी विकास योजनाओं का बोझ किसी सीमा तक डाला जाना चाहिए। केदारनाथ त्रासदी, हिमाचल में मानसून में आई तबाही, सिक्किम की हालिया प्राकृतिक आपदा और जोशीमठ में जमीन धंसने की घटनाओं को ध्यान रखकर बड़ी विकास परियोजनाओं की दिशा–दशा तय की जानी चाहिए। साथ ही हमें ऐसी आपदाओं से बचाव में मानवीय प्रयासों को भी कमतर नहीं आंकना चाहिए। ऐसे समय में जब ऑपरेशन टनल अपने आखिरी दौर में पहुंच रहा था तो ऑगर मशीन के ब्लेड टूटने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन टीम में निराशा छा गई थी। फिर रैट माइनर्स ने अथक प्रयासों से निराशा को आशा में बदल दिया।

# राम जी के प्राण प्रतिष्ठा का घर – घर ,देंगे आमंत्रण 600 ग्रामों तक पहुचेंगे कार्यकर्ता

**योगेश शर्मा राजोरिया**
**पुष्पांजलि टुडे**

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के आह्वान पर अयोध्या में आगामी जनवरी में होने वाले श्रीराम लला के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमित्त राघौगढ़ जिले के 1 लाख से अधिक परिवारों को निमंत्रण देंगेकार्यक्रम में मुख्यरूप से संत श्री बालक दास जी पुजारी रामानंद आश्रम बीनागंज एवं श्री कदम सिंह जी मीना विभाग कार्यवाह, श्री नितिन जी विभाग प्रचारक, श्री आनंद जी भार्गव विभाग बौद्धिक प्रमुख, श्री दिलीप जी कुशवाह विभाग सहमंत्री, श्री मुकेश जी शर्मा जिलाध्यक्ष बजरंगदल, संघ परिवार के अन्य संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी, समाज के गणमान्य नागरिक के साथ संगठन के 5 खंडों के प्रतिनिधि

पूजित अक्षत कलश अपने खंडों में ले जाने के लिये उपस्थित रहेातीर्थ क्षेत्र न्यास के आह्वान पर इस अक्षत निमंत्रण को लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता अन्य हिंदू संगठनों के साथ मिलकर 1 जनवरी से 15 जनवरी के बीच जिले के नगर ग्रामों में, हिंदू परिवारों तक जाएंगे। हम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष बाद अयोध्या लौटने की खुशी में दिवाली मनाते हैं किन्तु आगामी 22 जनवरी को तो वह दूसरी दीपावली होगी जब रामजी 500 वर्षों के बाद, भारत की स्वतंत्रता के अमृत बेला में अपने जन्म-स्थान पर लौटेंगे। विहिप का आह्वान है कि 22 जनवरी की पुण्य रात्रि को प्रत्येक हिंदू परिवार कम से कम 5 दीपक अवश्य जलाए और उसके बाद किसी भी दिवस को सपरिवार, ईष्ट. मित्रों सहित अयोध्या दर्शन हेतु पधारें। विश्व हिंदू परिषद को विश्वास है कि रामजी का यह मंदिर विश्व में हिंदुओं में समरसता, एकत्व व आत्मगौरव का संचार करेगा और भारत को परम वैभव की ओर ले जाने के लिए एक राष्ट्र मंदिर बन कर उभरेगा।

# विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा अंतर्गत जागरूकता सत्र आज आईटीबीपी शिवपुरी में विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा अंतर्गत 15 दिसम्बर तक आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

शिवपुरी- विश्व एड्स दिवस (01 दिसम्बर 2023) के अवसर पर जिले में 01 से 15 दिसम्बर तक विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष विश्व एड्स दिवस हेतु थीम ''लेट कम्यूनिटीज लीड'' निर्धारित की गई है। जिसके तहत जागरूकता सत्र 2 दिसम्बर को प्रातः 10 बजे आईटीबीपी शिवपुरी में आयोजित किया जाएगा।विश्व एड्स दिवस पखवाड़ा अंतर्गत एचआईवी एवं एड्स की रोकथाम में समुदाय को अग्रिम पंक्ति में रखते हुए नेतृत्व करने हेतु प्रोत्साहित किया जाना है। थीम के अनुसार विश्व एड्स दिवस के अवसर पर आयोजित समस्त कार्यक्रमों में समुदाय विशेष की भागीदारी यथासंभव सुनिश्चित कराई जानी है। जिले में कार्यरत टी.आई परियोजना, लिंक वर्कर स्कीम एवं विहान टीम अथवा एआरटी सेंटर, आईसीटीसी एवं समस्त स्टेक होल्डर्स तथा अधिक से अधिक युवाओं की सहभागिता से जिले में भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

# एम.जे.एस. महाविद्यालय भिण्ड के सहायक प्राध्यापक निलंबित

**मुरैना /**कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी भिण्ड के प्रतिवेदन के आधार पर चंबल संभाग के कमिश्नर श्री दीपक सिंह ने सहायक प्राध्यापक सोमवीर को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार एम.जे.एस. महाविद्यालय भिण्ड के सहायक प्राध्यापक सोमवारी को विधानसभा क्षेत्र 9 अटेर के मतदान केन्द्र क्रमांक 71 किशुपरा पर मतदान दल कोड क्रमांक 3 पर पीठासीन अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। कार्यालय आदेश के तहत इनको आदेश तामील कराने के लिये भेजा गया। सोमवीर बिना पूर्व सूचना के प्रशिक्षण एवं निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य में अनुपस्थित रहने के कारण कलेक्टर ने प्रतिवेदन बनाकर भेजा। इस पर चंबल कमिश्नर ने सहायक प्राध्यापक सोमवीर सिंह तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में इनका मुख्यालय भिण्ड रहने के निर्देश दिये। सोमवीर को जीवन निर्वाह भत्ता मिलने की पात्रता रहेगी।

# मध्यप्रदेश में निकाली जायेगी सृष्टि रचयिता भगवान विश्वकर्मा जी की भव्य रथयात्रा

**रिपोर्टर-प्रतीश अग्रवाल**
**पुस्पांजलि टुडे**

**मधुसूदनगढ़ :** प्रदेश के समस्त विश्वकर्मा समाज की अगुवाई में आने वाले वर्ष 2024 में सृष्टि के निर्माता भगवान विश्वकर्मा जी की रथयात्रा संपूर्ण मध्यप्रदेश में निकाली जावेगी जो प्रत्येक जिला मुख्यालय से होकर गुजरेगी यह यात्रा विश्वकर्मा समाज की सबसे बड़ी ऐतिहासिक एवं भव्य यात्रा होगी जैसा कि हम सभी को विदित है भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के रचयिता हैं देश की संपूर्ण सनातन मानव समाज आदि देव भगवान विश्वकर्मा जी की पूजा अर्चना करते हैं भगवान विश्वकर्मा के समस्त अनुयायियों द्वारा जिला स्तर पर संयोजकों का गठन किया जा रहा है संयोजक अपनी-अपनी स्वेच्छा से यह दायित्व ले रहे हैं भोपाल के समाज सेवी और विचारक गुना जिला निवासी आर एस नरवर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश की समाज के वरिष्ठ सामाजिक समितियों द्वारा रथयात्रा की रूपरेखा तय करने को लेकर प्रदेश की सभी समितियों के अध्यक्षगणों एवं समाज के वरिष्ठ महानुभावों से संपर्क प्रारंभ कर दिया गया है प्रदेश के सामाजिक संगठन, वरिष्ठ, मार्गदर्शक, सलाहकार हेतु 11 सदस्यीय कमेटी एवं कार्यक्रम संचालन हेतु शीघ्र ही टीम का गठन किया जायेगा जिसमें संपूर्ण मध्यप्रदेश से सजातीय बंधुओं को जिलेवार जिम्मेदारी सौंपी जाएगी ताकि भगवान विराट विश्वकर्मा जी की प्रदेश में रथयात्रा भव्यता पूर्वक सफल हो सके इस पुनीत कार्य के लिए संपूर्ण मध्यप्रदेश में सोशल मीडिया के माध्यम से सामाजिक बंधु,विचारक एवं प्रचारक जुटे हुए हैं प्रदेश के विश्वकर्मा समाज बंधुओं को भगवान विश्वकर्मा रथयात्रा से जोड़ने का विनम्र आग्रह किया जा रहा है

**नरवर के चकरामपुर में हुए हत्याकांड को लेकर ओबीसी महासभा ने दिया पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन**

# कुशवाह समाज के लोगों को नरवर थाना प्रभारी के द्वारा गलत तरीके से फंसाए गया- राजेश कुशवाह

**थाना प्रभारी नरवर को तुरंत प्रभाव से हटाए जाने की मांग**

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

**शिवपुरी-** नरवर के चकरामपुर जिला शिवपुरी में कुछ दिन पूर्व में हुए भदौरिया हत्याकांड में चार लोगों की हत्या हो गई थी जिसमें आरोपी परिवार के 16 लोगों पर आरोप तय करते हुये जेल भेज दिया गया है। आपको बता दे कि ग्राम चकरामपुर थाना नरवर जिला शिवपुरी में दिनांक 17.11.2023 को दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया जिसमें एक पक्ष मुन्ना भदौरिया के तीन लोगों की मृत्यु हो गई उसके बाद 16 लोगों को नाम दर्ज कर गिरफ्तार कर लिये गये हैं जिसमें ग्राम पंचायत के सरपंच सूरज सिंह कुशवाह एवं कुशवाह समाज के वरिष्ठ नेता के सहयोग से आरोपीगण को हाजिर कराने में मदद की गयी। मृतक के परिवारजन सरपंच सूरज सिंह कुशवाह एवं सरपंच के भाई मान सिंह, कैलाश, दीपक, किसन, घनश्याम, मुकुट सिंह, गजराज सिंह घटना के समय मौजूद नहीं थे क्योंकि यह सारे लोग ग्वालियर में पढ़ाई करते हैं तथा सरपंच द्वारा घटना के समय चुनाव वोटिंग में कराने का कार्य कर रहे थे लेकिन मृतक के परिवारजन इन लोगों को झूठा फंसाना चाहते हैं। पूर्व में भी मृतक के परिवारजनों के द्वारा आरोपी दिनेश कुशवाह पर भूरा, राजेश भदौरिया द्वारा गोली चलायी गई जो उसके सीने में लगी और गोली सीने में आरपार हो गई तथा दिनेश एवं कुशवाह समाज के महिला पुरुषों की गंभीर मारपीट की गयी तथा आरोपीगणों के खिलाफ धारा 307 के तहत कार्यवाही की लेकिन थाना प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा आरोपी

भूरा एवं राजेश को गिरफ्तार नहीं किया गया और भूरा एवं राजेश भदौरिया द्वारा कुशवाह समाज की महिलाओं एवं पुरुषों के साथ मारपीट एंव अश्लील हरकत जारी रही जिसकी शिकायत कुशवाह समाज एवं पीडितों द्वारा थाना प्रभारी एवं अधीक्षक शिवपुरी को लगातार करते रहे लेकिन थाना प्रभारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गयी। थाना प्रभारी नरवर ने भदौरिया परिवार को पूर्ण रूप से संरक्षण दिया गया था जिसके कारण बारदात हुई है। यदि पूर्व में ऐसे प्रकरण को गंभीरता में लिया जाता तो ऐसी घटना घटित नहीं होती। जिस प्रकार से दिनांक 17 नवंबर की घटित पर आज जो माहोल गांव में बना है जिससे आमजन में काफी डर एवं भय है के कृतक परिवार एंव भदौरिया समाज के द्वारा कुशवाह समाज के लोगों के मारपीट एवं गांव छोडने के लिये मजबूर किया जा रहा है। पुलिस प्रशासन कुशवाह समाज के लोगों को जबरन झूठे केस में फंसाया जा रहा है जिससे जिले एवं पूरे मध्य प्रदेश के कुशवाहा समाज में काफी आक्रोश है और आज ओबीसी महासभा, भीम आर्मी और कुशवाह समाज के द्वारा पुलिस अधीक्षक से अनुरोध किया गया कि नरवर थाना प्रभारी को तुरंत प्रभाव से हटाते हुए उच्च स्तरीय जांच गठित करते हुए निष्पक्ष जांच कराई जाए। पांच दिवस के बाद ओ.बी.सी. महासभा कुशवाह समाज और भीम आर्मी संयुक्त रूप से नरवर में कार्यक्रम करेगें की जबावदेही शिवपुरी पुलिस प्रशासन की होगी।

# प्रत्येक परिस्थिति में समभाव रखना ही वास्तविक आनंद है

जीवन एक ऐसी यात्रा है जिसमें अनेक पड़ावों से गुजरना होता है। इस यात्रा में कुछ सुखद व कुछ दुखद अनुभव प्राप्त होते हैं। कभी सहज तो कभी कठिन परिस्थितियां आती हैं। प्रत्येक स्थिति में समभाव रहना संभव नहीं हो पाता और इसी कारण हम अपने जीवन में आनंद की अनुभूति नहीं कर पाते। आधुनिक जीवन शैली में कठिन समय और भी अधिक निराशा व तनाव उत्पन्न कर देता है। परंतु सहजयोग ध्यान से इनका समाधान सहज ही प्राप्त किया जा सकता है। सहजयोग संस्थापिका श्री माताजी ने अपनी अमृतवाणी में इसका वर्णन इस प्रकार किया है कि, सुख और दुःख एक ही साथ चलते हैं, आज कोई आदमी सुख पे चढ़ा फिर दुःख में उतरा, आशा निराशा के इस झमेले में ही मनुष्य पड़ा रहता है लेकिन आनंद एकमेव होता है, उसमें सुख और दःख का विभाजन नहीं होता है. आनंद

में मनुष्य शांत चित्त होकर के सारी चीज को देखता है जैसे कोई खेल हो, जैसे कोई नाटक हो रहा हो, सब चीज को देखता है और कोई चीज भीषण भी लगती है उसे भी वो देखता है और कारण कि वो देख सकता है साक्षी भाव से, वो उसे ठीक भी कर सकता है क्योंकि वो एक महान आत्मा है।सबको सुख हो जाये, सबको परमात्मा के साम्राज्य में जगह मिले और ऊंचे से ऊंचे पद पर बैठें, यही माँ की हार्दिक इच्छा होती है। आप स्वयं ही गलत चीजों को छोड़ देंगे जब कुण्डलिनी जागृत हो जाती है।एक बार आपके अंदर ज्योति जागृत हो गई तो आप इसको फिर से प्रज्वलित कर सकते हैं या उसको आप बढ़ा सकते हैं, पर प्रथम कार्य है कि ज्योति प्रज्वलित हो और उसके लिए आत्मसाक्षात्कार नितान्त आवश्यक है।आपके अंदर इतनी ज्यादा शक्तियां हैं कि उनको पहले आपको पूरी तरह से प्रफुल्लित करना चाहिए, उनको जगाना चाहिए, उनको जानना चाहिए, अपने प्रति एक तरह का बड़ा आदर रखना चाहिए। पहले अपने को संवारना है,अपनी शक्तियों के गौरव में उतरना है और ये जानना है कि हमारे अंदर कितनी शक्तियां हैं और हम कितनी शक्तियों को प्राप्त कर सकते हैं, हम क्या क्या लाभ दूसरों को दे सकते हैं। आत्मज्ञान की प्राप्ति तथा अंतर्निहित शक्तियां जागृत होने पर हमें हर परिस्थिति में समभाव में रहना आ जाता है। ना तो सुख में और ना ही दुख में हम अति में नहीं जाते और तब चिर आनंद की स्थापना होती है। और तब हम स्वयं भी सुखी होते हैं तथा अपनी उपस्थिति से दूसरों को भी आनंदित करते हैं। सहजयोग के माध्यम से इस आनंद को प्राप्त करने हेतु जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं।

# मोन्डलेंज इंटरनेशनल (कैडबरी) औद्योगिक इकाई स्वच्छता में महत्वपूर्ण स्थान पर है:रमेश सिंह यादव जी यूनियन सदस्य दायित्व सह- सचिव

**सूत्रों के अनुसार विशेषज्ञों का मानना भी है यहँ फैक्ट्री स्वच्छता सर्वे में महत्वपूर्ण स्थान पर आती है अतः अफवाहों से दूर रहे।**

**मालनपुर/** औद्योगिक क्षेत्र नगर परिषद मालनपुर के अंतर्गत संचारित मोन्डलेज इंटरनेशनल (कैडबरी) फैक्ट्री स्वच्छता में महत्वपूर्ण स्थान पर आती है, समय-समय पर विशेषज्ञों द्वारा भी फैक्ट्री का निरीक्षण किया जाता है, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार विशेषज्ञ का भी मानना है स्वच्छता में यह फैक्ट्री महत्वपूर्ण स्थान पर आती है।यूनियन सदस्य दायित्व सह- सचिव रमेश सिंह यादव जी मानते हैं हमारी फैक्ट्री द्वारा किसी प्रकार की स्वच्छता के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाता, किसी प्रकार का केमिकलयुक्त अभीष्ट पदार्थ का बहाव बाहर नहीं किया जाता है।

**घोर लापरवाही यू डाइस का कार्य समय सीमा में पूर्ण करें::डीपीसी शिवपुरी**

# 21 विद्यालयों ने आज दिनांक तक नहीं किया कार्य प्रारंभ प्रारंभ :बीआरसी बदरवास

**अनिल कुशवाह**
**पुष्पांजलि टुडे**

**शिवपुरी-** राज्य शिक्षा केंद्र के आदेश के क्रम में एवं कलेक्टर महोदय के पत्र के पालन में यू डाइस का कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे लेकिन 7 संस्था प्रभारी द्वारा लगातार राज शिक्षा केंद्र एवं कलेक्टर महोदय के आदेश तथा जिला शिक्षा केंद्र के आदेश की अवहेलना की जा रही है एवं कार्य समय सीमा में नहीं किया जा रहा है.इन 7संस्था प्रभारी के खिलाफ कार्रवाई का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजा गया है। इसके साथ-साथ 4 हाई स्कूल,हायर सेकंडरी विद्यालय द्वारा भी कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है इस संबंध में डीपीसी द्वारा संबंधित संस्था प्रभारी के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जावेगी जिन संस्था प्रभारी ने यू डाइस का कार्य नहीं किया गया है. उनमें माध्यमिक विद्यालय डग्गपीपरी, धधेरा, मेघौना बड़ा, प्राथमिक विद्यालय अखाई महादेव, बरोदिया, ढाकरोरा एवं प्राथमिक विद्यालय रामपुरा शामिल है संबंधित को बार-बार अवगत कराने के बाद भी इन संस्था प्रभारी द्वारा शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में रुचि नहीं ली जा रही है जबकि यू डाइस का कार्य समय सीमा में पूर्ण किया जाना था.जिसमें संस्था प्रोफाइल,शिक्षक प्रोफाइल एवं बच्चों की प्रोफाइल अपडेट किया जाना है. इसके साथ 10 अशासकीय विद्यालय द्वारा भी कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है जिसमें कैरियर कान्वेंट स्कूल बदरवास, चंदा मेमोरियल मदरसा,स्वामी विवेकानंद खतौरा,राधिका पब्लिक स्कूल,सरस्वती शिशु मंदिर खतौरा,कुटवारा,बरौद,ज्योति कॉन्वेंट एवं आईपीएस स्कूल देहरदा गणेश एवं लक्ष्य स्कूल शामिल है इन स्कूलों के मान्यता समाप्ति के प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित किए गए हैं.ऐसी बच्ची जो पूर्व सत्र में यू डाइस

में नहीं थे उनका कार्यालय द्वारा दिए गए फॉर्मेट स्2 और स्3 पर जानकारी भरकर देने का अंतिम दिन जिससे कि संबंधित कारवाई कार्यालय के माध्यम से की जा सके.आज की स्थिति में भी बदरवास विकासखंड में कुल 352 शासकीय/अशासकीय विद्यालय में 157 विद्यालय द्वारा ही प्रोफाइल अपडेट किया गया है 197 विद्यालय आज की स्थिति में शेष है यदि बच्चों की स्थिति देखें तो 7185 बच्चे शासकीय और अशासकीय विद्यालय के द्वारा अपडेट नहीं किए गए जिसके कारण वह आउट ऑफ स्कूल की श्रेणी में आ जाएंगे.352 विद्यालयों में शिक्षकों के अपडेशन का कार्य 140 विद्यालय द्वारा किया गया है जबकि 212 आज की स्थिति में शेष है.जबकि कार्य करने की अंतिम तारीख 3 दिसंबर निर्धारित की गई है इस संबंध में जिला प्रोग्रामर जुगराज प्रजापति द्वारा बार-बार निर्देश रुप पर व्हाट्सएप मैसेज एवं पत्र पत्र के माध्यम से दिए जा रहे हैं। इस संबंध में जनपद शिक्षा केंद्र स्तर पर सभी जन शिक्षकों की बैठक का आयोजन किया गया था उसके बाद खतौरा एवं इंदार जन शिक्षा केंद्र पर जन शिक्षक द्वारा बैठक का आयोजन कर निर्देश दिए गए शेष सभी जन शिक्षकों को जन शिक्षा केंद्र स्तर पर बैठक का आयोजन कर कार्य समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए तथा इस आशय का एक पत्र संबंधित संकुल प्राचार्य एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी को भी वेतन रोकने हेतु प्रेषित किया गया है जिनके द्वारा कार्य नहीं किया गया है एवं इस आशय की सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को भी प्रेषित की गई है. समस्त संस्था प्रभारी को यू डाइस का कार्य 3 दिसंबर तक पूर्ण करना है जिन संस्थाओं द्वारा सत्र प्रतिशत कार्य पूर्ण नहीं किया गया है वह तीनों स्थिति में अपना कार्य दो दिवस में पूर्ण करने के निर्देश प्राप्त हुए हैं उसके बाद कलेक्टर महोदय के निर्देश के पालन में डाटा फ्रिज किया जावेगा.समस्त जन शिक्षक यह कार्य दो दिवस में पूर्ण कराकर प्रतिवेदन सोमवार को को प्रस्तुत करेंगे।

# रानी मुखर्जी

## को कुछ कुछ होता है में कास्ट करने के लिए करण जौहर ने बोला था झूठ, शाह रुख-काजोल से जुड़ी थी बात

करण जौहर का चैट शो कॉफी विद करण का लेटेस्ट एपिसोड बेहद मजेदार होने वाला है। इस बार शो में बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी और काजोल हिस्सा लेने वाली है। दोनों ही बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस रह चुकी हैं और करण जौहर के करीबियों की लिस्ट में शामिल है।कॉफी विद करण के प्रोमो पहले ही चर्चा में बने हुए है। अक्सर करण अपने गेस्ट को रोस्ट करते हैं, लेकिन इस बार रानी और काजोल ने उनकी नाक में दम कर दिया।

**करण को नहीं मिल रही थी हीरोइन**

कॉफी विद करण में बातचीत के दौरान करण जौहर ने उनकी पहली फिल्म कुछ कुछ होता है को लेकर भी बात की। इस फिल्म में शाह रुख खान के साथ काजोल और रानी मुखर्जी लीड रोल में थे। करण जौहर कुछ कुछ होता है को लेकर कई बार बता चुके हैं कि फिल्म टीना के रोल के लिए उन्हें एक्ट्रेस नहीं मिल रही थी।

**8 एक्ट्रेस ने किया था रिजेक्ट**

कॉफी विद करण में होस्ट ने खुलासा किया कि %कुछ कुछ होता है% में रानी मुखर्जी को कास्ट करने के लिए उन्होंने एक्ट्रेस से एक झूठ बोला था। करण ने कहा कि टीना के रोल के लिए पहले ही 8 अभिनेत्रियों ने न कह दिया था। ऐसे में उन्हें लग रहा था कि अगर रानी ने भी मना कर दिया, तो फिर उन्हें स्कर्ट पहनकर फिल्म में टीना बनना पड़ेगा।

**करण को रानी से बोलना पड़ा झूठ**

करण जौहर ने कहा, सबसे मजेदार बात ये है कि मैंने रानी के सामने फिल्म तब नैरेट की जब 8 लड़कियों मना कर दिया था और मुझे लगा कि अब तो मुझे ही शॉर्ट स्कर्ट पहनकर करना पड़ेगा टीना का रोल। नैरेशन के बाद रानी ने कहा कि क्या तुम मेरे कमरे में आ सकते हो। इससे पहले मुझे कभी किसी लड़की के रुम में इनवाइट नहीं किया गया था। करण को टोकते हुए शो में रानी ने कहा, मैं तुमसे ऐसा क्यों कहूंगी ? कम से कम इस तरह तो मत बोलो, लोगों को लगेगा कि कहानी अधूरी है। मैंने तुम्हें बुलाया क्योंकि कमरे में पहले से तरुण मनसुखानी और निखिल आडवाणी मौजूद थे।

**काजोल- शाह रुख से जुड़ा है झूठ**

करण ने अपनी बात जारी रखते हुए आगे कहा, वो मुझे कमरे में ले गईं और बोली, क्या तुम दुनिया को ये विश्वास दिला पाओगे कि शाहरुख खान मुझे काजोल से ज्यादा प्यार करते हैं, क्योंकि शाहरुख और काजोल एक आइकोनिक जोड़ी है? उस समय मैं इतना परेशान हो गया था कि मैंने सामने से झूठ बोला, मुझे यह भी नहीं पता था कि मैं कितना आश्वस्त था। तो मैंने रानी से कहा कि तुम इसे मुझ पर छोड़ दो।

## सफेद धोती- कुर्ता पहन लिन लैशराम के दूल्हे बने रणदीप हुड्डा, सामने आया शादी का पहला वीडियो

बॉलीवुड एक्टर रणदीप हुड्डा (Randeep Hooda) आज यानि 29 नवंबर को अपनी गर्लफ्रेंड लिन लैशराम के साथ शादी के बंधन में बंध चुके हैं. दोनों की शादी इम्फाल में मणिपुरी रीति-रिवाजों से हुई है. जिसके कुछ वीडियो अब सोशल मीडिया पर सामने आए है. वीडियो में एक्टर सफेद कुर्ते के साथ धोती पहने हुए नजर आ रहे हैं. वहीं उनकी दुल्हन मणिपुरी ब्राइड बने बहुत सुंदर लग रही हैं.

**शादी में सफेद कुर्ता-धोती पहने दिखे रणदीप**

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम की शादी के ये वीडियो हुड्डा ने अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किए हैं. पहले वीडियो में सफेद धोती-कुर्ता पहने हुए रणदीप हुडडा मंडप की तरफ जाते हुए नजर आ रहे हैं. एक्टर ने अपना लुक सिर पर मैचिंग पगड़ी पहनकर पूरा किया है. रणदीप का ये वीडियो अब तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रहा है.

**मणिपुरी दुल्हन बनीं बेहद खूबसूरत दिखीं लिन**

वहीं इसके बाद दोनों की शादी का एक और वीडियो सामने आया है. जिसमें रणदीप और लिन मणिपुरी रीति-रिवाजों से शादी की रस्में अदा करते हुए दिखाई दे रहे हैं. वीडियो में दोनों शादी के मंडप में बैठे हैं और लिन के परिवार के लोग दोनों को शगुन दे रहे हैं. इस वीडियो में रणदीप के चेहरे पर शादी की एक्साइटमेंट साफ नजर आ रही है.

**रणदीप ने सोशल मीडिया पर दी थी शादी की जानकारी**

बीते दिन ये कपल मणिपुर के एक मंदिर में पूजा के लिए पहुंचा था. जहां दोनों ट्रेडिशनल लुक में नजर आए थे. बता दें कि रणदीप और लिन पिछले काफी वक्त से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं. दोनो की जोड़ी फैंस को भी काफी ज्यादा पसंद है. कुछ दिन पहले ही रणदीप ने लिन संग अपनी शादी की घोषणा सोशल मीडिया पर की थी. जिसके बाद उनके फैंस एक्टर को दूल्हा बने देखने के लिए काफी एक्साइटिड नजर आए थे.

## तीन बार की सुसाइड करने की कोशिश, पति से हुआ तलाक, कुछ ऐसी रही हैं टीवी की द्रौपदी की जिंदगी

महाभारत में द्रौपदी का रोल निभाकर हर घर में पहचान बनाने वाली रूपा गांगुली को आज तक भी कोई नहीं भूला है. एक्ट्रेस ने अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों के दिल में खास जगह बनाई है. साल 1998 में टीवी शो महाभारत की शुरुआत हुई थी.

**रूपा गांगुली ने महाभारत की द्रौपदी से बनाई पहचान**

इस शो को फैंस ने काफी पसंद किया था. महाभारत में द्रौपदी का किरदार निभाने वाली रूपा गांगुली को भले ही इस किरदार से काफी प्यार मिला हो, लेकिन उनकी पर्सनल लाइफ इतनी अच्छी नहीं रही. एक्ट्रेस ने 1992 में ध्रुबो मुखर्जी से शादी की थी, शादी के बाद रूपा ने अपने करियर तक को छोड़ दिया था. रूपा की शादीशुदा लाइफ में काफी दिक्कतें आने लगी.

**शादी के बाद प्रोफेशन लाइफ में आने लगी ये दिक्कतें**

एक इंटरव्यू में रूपा गांगुली ने खुलासा करते हुए कहा था कि शादी से पहले मैं एक ऐसे प्रोफेशन में थी जहां मुझे ग्लैमरस दिखा था, इंडस्ट्री में किरदार के लिए आपको ऐसा दिखना होता है, लेकिन क्या ये मेरी गलती थी?, मुझे ऐसा लगता है कि पुरुषों के लिए

### नाक बनी थी

# प्रियंका चोपड़ा

## के लिए रोड़ा, अंदाज में एक्ट्रेस की कास्टिंग को लेकर निर्माता ने किया खुलासा

हिंदी सिनेमा से लेकर हॉलीवुड तक अपनी कमाल की एक्टिंग की छाप छोड़ने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा (Priyanka Chopra) किसी अलग पहचान की मोहताज नहीं हैं। फिल्मी करियर के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर प्रियंका काफी चर्चित रही हैं खासतौर पर करियर की शुरुआत में जब नाक की वजह से प्रियंका चोपड़ा ने काफी सुर्खियां बटोरीं। इस बीच अदाकारा की पहली हिट मूवी अंदाज के प्रोड्यूसर सुनील दर्शन ने उनकी नाक को लेकर बड़ा बयान दिया है।

**प्रियंका चोपड़ा को लेकर बोले सुनील दर्शन**

साल 2003 में प्रियंका चोपड़ा को बतौर लीड एक्ट्रेस पहली फिल्म अंदाज मिली। इस मूवी में प्रियंका के साथ-साथ अक्षय कुमार और लारा दत्त जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में मौजूद रहे। इस बीच अंदाज (Andaaz) के निर्माता सुनील दर्शन ने इस मूवी में प्रियंका चोपड़ा की कास्टिंग के पीछे की दिलचस्प किस्सा सुनाया है। सुनील जूम को दिए इंटरव्यू में कहा है- मैं अंदाज के लिए एक फ्रेश फेस तलाश रहा था।

बात उस समय की है जब मैं अपने ऑफिस में था और अंदाज की कास्टिंग के लिए मुझसे एक लड़की मिलने आई, वो कोई और नहीं बल्कि प्रियंका चोपड़ा थीं। उनको पहली बार देखकर मुझे नहीं लगी की वह मेरी फिल्म की हीरोइन हैं, लेकिन जैसे ही 15-20 मिनट का समय बीता तो उसकी आवाज और आखें देखकर मैं प्रभावित हुआ।हालांकि अंदाज के लिए प्रियंका चोपड़ा की नाक को लेकर मैंने उन्हें सचेत किया। जिसके चलते प्रियंका चोपड़ा ने नाक की सर्जरी के लिए समय मांगा। हमने उनकी बात मानी और बाद में ये हमारे लिए सफल साबित हुआ।

**नाक की सर्जरी को लेकर प्रियंका रहीं सुर्खियों में**

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी किताब अनफिनीशड में अपनी नाक की सर्जरी को लेकर जिक्र किया है। एक्ट्रेस ने बताया है- जब मैंने इसे कराया तो उस में मुझे प्लास्टिक चोपड़ा का टैग दिया गया, जिसने मेरा दिल तोड़ दिया। मैं डिप्रेश रहने लगीं थी और कई बार मुझे इसके लिए आलोचना भी सहनी पड़ी लेकिन सही मायनों में मुझे सांस लेने में समस्या होती थी, जिसके चलते मैंने डॉक्टर्स के परामर्श से इसे सही कराया। इसका मतलब ये नहीं था कि मैंने अपने चेहरे की सुंदरता को निखारने के लिए ऐसा किया।

सेलिब्रिटी के तौर पर अपनी वाइफ को स्वीकार करना काफी मुश्किल होता है.

**3 बार की सुसाइड करने की कोशिश**

शादी के बाद रूपा गांगुली ने खुद को काफी बदलने की कोशिश की. उन्होंने बताया था कि शादी के बाद मैंने देर रात कॉल उठानी बंद कर दी थी, जैसे ही मेरा शूट खत्म होता था मैं सीधा घर आती थी, मैंने अपनी शादी को बचाने के लिए हर कोशिश की.

पति की हरकतों से परेशान होकर रूपा गांगुली ने एक समय में अपनी लाइफ को खत्म करने का फैसला कर लिया था. एक इंटरव्यू में एक्ट्रेस ने खुद इस बात को कबूला था कि वह तीन बार सुसाइड करने की कोशिश कर चुकी हैं. उन्होंने कहा कि मैंने खुद को मारने की बहुत कोशिश की लेकिन भगवान ने हर बार मुझे बचा लिया. रुपा की इतनी कोशिश के बाद भी जब उनके रिश्ते पति से सही नहीं रहे तो एक्ट्रेस ने 2006 में अपने पति धुब्रो से तलाक लेने का फैसला कर लिया था.

# शहीद हेमू कलाणी चौक का होगा भव्य निर्माण धर्मपरिवार युवा शाखा ने लिया संकल्प–मॉजवानी

## पूर्व निर्माण कमेटी की उदासीनता के चलते लिया निर्णय

**पुष्पांजली टुडे**

नगर में उठ रहे सवालों का जवाब देने शहीद हेमू कलाणी चौक पर मूर्ति स्थापना में हो रही लेट लतीफी और पूर्व निर्माण कमेटी की उदासीनता के चलते आगामी 23 मार्च को जनम शताब्दी के अवसर पर हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार युवा शाखा के अध्यक्ष एवं सिन्धु सेना के युवा प्रदेशाध्यक्ष सुमित मॉजवानी के नेतृत्व में चौक का नवनिर्माण प्रारम्भ किया जायेगा। इसके लिये पहले पूर्व निर्माण कमेटी को 14 जनवरी तक का समय अधूरे कार्य को पूर्ण करने अवसर प्रदान किया जायेगा। यह निर्णय म0प्र0 सिन्धु सेना के संरक्षक एवं धर्मपरिवार के आजीवन संरक्षक नारायण डिगवानी के दिशा निर्देश पर लिया गया। ताकि किसी व्यक्ति को अनावश्यक प्रलाप करने का अवसर ना मिल सके।श्री मॉजवानी ने बताया कि आगामी मकर संक्रांति के अवसर पर नगर के सभी सिन्धु एवं अन्य संगठनो की बैठक बुला कर निर्माण कमेटी का विधिवत गठन किया जायेगा तथा सबकी सलाह एवं सहयोग से शहीद हेमू कालाणी जैसे राष्ट्र भक्त क्रॉन्तीकारी भारत माता के सपूत की धूमधाम के साथ मूर्ति स्थापना एवं अनावरण का आयोजन सुनिश्चित किया जायेगा। सिन्धु समाज प्रभावशाली तन-मन-धन से परिपूर्ण होने के बावजूद भी आज तक चौक का निर्माण कार्य पूरा नही हो पाया है बल्कि पुरानी मूर्ति को भी वहां से हटा दिया गया है जिससे कई सवाल नगर में उठ रहे है।

**सुमित मॉजवानी**
**हिन्दू उत्सव समिति धर्मपरिवार युवा शाखा के अध्यक्ष एवं सिन्धु सेना के युवा प्रदेशाध्यक्ष**

# मतगणना केन्द्र में निर्धारित स्थलों से मिलेगा प्रवेश - वाहनों की पार्किंग तय स्थल में होगी

**पुष्पांजली टुडे**

रीवा। रीवा जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना तीन दिसम्बर को प्रात- 8 बजे से इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। मतगणना केन्द्र परिसर में तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था बनाई गई है। इस संबंध में अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि मतगणना केन्द्र में अधिकारियों, कर्मचारियों, मतगणना दल के सदस्यों, उम्मीदवारों तथा उनके मतगणना एजेंटों एवं पत्रकारों को प्रवेश देने के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। गेट नम्बर दो से निर्वाचन अधिकारी, मतगणना में तैनात दल के सदस्य तथा पत्रकारों को प्रवेश दिया जाएगा। गेट नम्बर तीन से विधानसभा क्षेत्र मनगवां, रीवा एवं गु? के उम्मीदवारों तथा उनके मतगणना एजेंटों को प्रवेश मिलेगा। गेट नम्बर चार से विधानसभा क्षेत्र सिरमौर, सेमरिया, त्योंथर, मऊगंज एवं देवतालाब के उम्मीदवारों तथा उनके मतगणना एजेंटों को प्रवेश दिया जाएगा। गेट नम्बर एक और गेट नम्बर पाँच बंद रहेंगे। अपर कलेक्टर ने बताया कि वाहनों की पार्किंग के लिए भी अलग से व्यवस्था की गई है। मतगणना दल के सदस्यों, मतगणना के लिए तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों तथा पत्रकारों के वाहनों को निर्माणाधीन न्यायालय परिसर में पार्किंग की सुविधा दी गई है। सभी विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों तथा मतगणना एजेंटों के वाहनों की पार्किंग माडल स्कूल परिसर में निर्धारित की गई है। मतगणना दिवस में नीम चौराहे से स्टेडियम की ओर तथा स्टेडियम तिराहे से पालिटेक्निक कालेज के सामने तक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। केवल वैध प्रवेश पत्रधारी के वाहन ही निर्धारित पार्किंग स्थल तक जाएंगे। इन मार्गों से गुजरने वाले व्यक्ति मतगणना दिवस में वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। शहर से सिरमौर की ओर जाने वाले वाहन नीम चौराहे से अजगरहा होकर बाईपास मार्ग से इटौरा पहुंचेंगे। निराला नगर तथा यूनिवर्सिटी की ओर से आने वाले वाहन शिवनगर होकर शहर में प्रवेश करेंगे।

# पिछले 48 घण्टे में हुई बारिश से खिले किसानों के चेहरे – तापमान गिरा

**पुष्पांजली टुडे**



रीवा। जिले में पिछले 48 घंटों से हल्की से मध्यम वर्षा हो रही है। आसमान में लगातार बादल छाए हुए हैं। पिछले 48 घण्टे में जिले में लगभग 10 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। वर्षा के कारण तापमान में गिरावट आई है। दिन और रात दोनों के तापमान घटे हैं। इस वर्षा से गेंहू, चने तथा अन्य फसलों को अच्छा लाभ मिलेगा। वर्षा से धान की कटाई और गहाई पर विपरीत असर हो सकता है। फसलों के लिए वर्षा बहुत लाभदायक है। जिले में एक दिसम्बर को 4.5 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिसमें तहसील हुजूर में 10.4 मिलीमीटर, रायपुर कर्चुलियान में शून्य मिलीमीटर, गु? में 10 मिलीमीटर, सिरमौर में शून्य, मिलीमीटर, त्योंथर में एक मिलीमीटर, मऊगंज में 8.4 मिलीमीटर, हनुमना में 10.3 मिलीमीटर, सेमरिया में तीन मिलीमीटर, मनगवां में 4 मिलीमीटर, जवा में शून्य मिलीमीटर तथा नईगड़ी तहसील में 2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 30 नवम्बर को 4.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। अभी भी लगातार बादल छाए हुए हैं। कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा हो रही है।

# पेंटियम प्वाइंट गुरप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



**पुष्पांजली टुडे**

रीवा।शहर मे स्थित पेंटियम प्वाइंट ग्रुप ऑफ़ इंस्टिट्यूशन के करहिया परिसर में पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज के समाज कार्य एवं राष्ट्रीय सेवा योजना विभाग द्वारा 1 दिसंबर 2023 को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत निबंध तथा भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।सबसे पहली बार, वर्ल्ड एड्स डे 01 दिसंबर, 1988 को मनाया गया था। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के 2022 के डाटा के मुताबिक, दुनिया भर में लगभग 3.6 करोड़ लोग, एचआईवी पॉजिटिव हैं। इससे बचाव और इसकी रोकथाम के लिए,



लोगों का जागरूक होना जरूरी है। इस मकसद के साथ वर्ल्ड एड्स मनाने की शुरूआत की गई थी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के शैक्षणिक संचालक एसके त्रिपाठी रहे,आज के इस जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस दिन ढूष्ठस् से बचाव के तरीकों के बारे में लोगों को जागरूक किया जाता है। एड्स को लेकर हमारे समाज में कई मिथक हैं, जिनके बारे में लोगों में जानकारी की काफी कमी है। एड्स कैसे फैलता है, इससे बचाव के तरीके, इसके टेस्ट, इससे जुड़े मिथक आदि के बारे में जानकारी देने की कोशिश की जाती है। लोगों में एचआईवी पॉजिटिव लोगों को लेकर कई गलत अवधारणाएं होती हैं, इस दिन उन्हें भी दूर करने की कोशिश की जाती है। इस दिन पूरे समाज को एक-जुट होकर एड्स से लड़ने के लिए प्रेरित करने की कोशिश की जाती है। आज का जागरूकता कार्यक्रम महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग तथा राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित किया गया था।जागरूकता कार्यक्रम का सफल संचालन महाविद्यालय के प्राध्यापक गिरीश भाई पटेल के द्वारा किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम मे मुख्य रूप से जितेंद्र सिंह परिहार, रवि प्रकाश गुप्ता, आशुतोष गुप्ता,डॉ राकेश तिवारी,डॉ सविता शुक्ला, डॉ अर्चना पटेल,अखिलेश मिश्रा, ज्ञानेंद्र तिवारी,देवांशी द्विवेदी,प्रतिमा सिंह बघेल,के सी त्रिपाठी आदि प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक तथा महाविद्यालय के छात्र विशेष रूप से उपस्थित रहे।

# विश्व एड्स दिवस पर आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम

**पुष्पांजली टुडे**

रीवा। विश्व एड्स दिवस अवसर पर जिला स्तर पर कुशा भाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय परिसर से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा के.एल. नामदेव एवं डॉ अनुराग शर्मा जिला नोडल अधिकारी द्वारा विशाल जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। विश्व एड्स दिवस की थीम लेट कम्युनिटीज लीड के अनुसार एचआईवी एड्स की रोकथाम में समुदाय को अग्रिम पंक्ति में रखते हुए एक दिसंबर से 15 दिसंबर तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। जागरूकता रैली शहर में




भ्रमण करते हुए रानी तालाब परिसर में संपन्न हुई। जहां विभिन्न नर्सिंग कॉलेज के छात्र-छात्राओं द्वारा भाषण, नारा लेखन, पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर साई मंदिर से विवेकानंद चौराहे तक कैंडल मार्च कार्यक्रम का आयोजन भी हुआ। इसी प्रकार आज 2 दिसंबर को पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षणरत प्रशिक्षणार्थियों को एचआईवी परामर्श एवं जांच के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आगामी 5 दिसंबर को आकाशवाणी रीवा द्वारा एचआईवी एड्स जागरूकता विषय पर परिचर्चा आयोजित की जायेगी। 6 दिसंबर को मेडिकल कॉलेज चौराहा में नुक्क? नाटक प्रस्तुत किया जायेगा।

# मतगणना स्थल पर अधिकृत व्यक्ति ही पा सकेंगे प्रवेश

**पुष्पांजली टुडे**

रीवा। जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना 3 दिसमबर को प्रातः 8 बजे से इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि मतगणना स्थल पर सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये जा रहे हैं। मतगणना हाल के अंदर केवल अधिकृत व्यक्ति को ही प्रवेश दिया जाएगा। इनमें गणना पर्यवेक्षक और गणना सहायक, निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत व्यक्ति, निर्वाचन के संबंध में कर्तव्यरूड़ लोकसेवक एवं उम्मीदवार तथा उनके निर्वाचन और गणना अभिकर्ता शामिल रहेंगे। मतगणना केन्द्र परिसर में तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। मतगणना एजेंटों, मतगणना में तैनात अधिकारियों, कर्मचारियों तथा पत्रकारों को निर्धारित स्थल से ही मतगणना केन्द्र परिसर में प्रवेश दिया जायेगा।कलेक्टर ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देशो के अनुसार ÷निर्वाचन के संबंध में कर्तव्यरूड़ लोकसेवक÷ के अंतर्गत सामान्य रूप से पुलिस अधिकारी नहीं आते हैं, ऐसे अधिकारियों को चाहे वे वर्दी में हों, या सादी वर्दी में, सामान्य नियमानुसार काउंटिंग हॉल के अंदर आने की अनुमति नहीं दी जायेगी जब तक कि उन्हें कानून और व्यवस्था बनाए रखने या किसी भी प्रकार के अन्य प्रयोजन से अंदर बुलाने का निर्णय न लिया जाए। इसी तरह केन्द्र और राज्यों के मंत्री, राज्य मंत्री और उप मंत्री भी इस श्रेणी में नहीं आते। वे काउंटिंग हॉल में केवल अभ्यर्थी के रूप में ही आ सकते हैं। आयोग के नये निर्देशों के अनुसार उनकी नियुक्ति निर्वाचन या गणना अभिकर्ताओं के रूप में नहीं की जा सकती, क्योंकि वे गनमैन की सुरक्षा में होते हैं। इसलिए उन्हें काउंटिंग हॉल में प्रवेश नहीं दिया जा सकेगा। किसी भी परिस्थिति में गणना के स्थान में अनाधिकृत व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाए। केवल वैध प्रवेश पत्रधारी व्यक्ति ही मतगणना स्थल में प्रवेश कर सकेंगे।

## मतगणना केन्द्र में मोबाइल फोन तथा शस्त्रों पर रहेगा प्रतिंबध

# मतगणना कक्ष में फोन सहित सभी तरह के इलेक्ट्रानिक उपकरण ले जाने पर रहेगा प्रतिबंध

**पुष्पांजली टुडे**

रीवा। जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना तीन दिसम्बर को प्रातः 8 बजे से इंजीनियरिंग कालेज रीवा में की जायेगी। मतगणना के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किये जा रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि मतगणना केन्द्र में केवल मतगणना कर्मचारी, उम्मीदवार तथा उनके अनुमति प्राप्त मतगणना एजेण्ट एवं निर्वाचन आयोग तथा निर्वाचन कार्यालय से जारी प्रवेश पत्रधारी मीडियाकर्मी ही प्रवेश पा सकेंगे। मतगणना केन्द्र में मोबाइल फोन, पानी की वाटल तथा किसी भी तरह के इलेक्ट्रानिक उपकरण का उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। निर्वाचन आयोग से जारी प्रवेश पत्र प्राप्त पत्रकारों को मीडिया सेंटर तक मोबाइल फोन तथा कैमरा ले जाने की अनुमति होगी। मतगणना केन्द्र में किसी भी तरह के विस्फोटक अस्त्र-शस्त्र का भी प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। यदि किसी उम्मीदवार को शस्त्र सुरक्षा प्राप्त है तो केवल उम्मीदवार को ही प्रवेश मिलेगा। उनके सुरक्षाकर्मी को मतदान केन्द्र प्रवेश नहीं मिलेगा। मतगणना केन्द्र में धूम्रपान पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। मतगणना केन्द्र में आने वाले अधिकारी-कर्मचारी उम्मीदवार तथा उनके मतगणना एजेण्ट अपने प्रवेश पत्र साथ रखें। अपने साथ मोबाइल फोन, धूम्रपान सामग्री तथा किसी तरह का भोजन पदार्थ साथ लेकर न आएं। मतगणना केन्द्र के अंदर यदि किसी व्यक्ति के पास प्रतिबंधित सामग्री पायी जाती है तो उसका प्रवेश पत्र तत्काल निरस्त करने के साथ उसके विरूद्ध प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जायेगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने उम्मीदवारों, मतगणना एजेंटों तथा पत्रकारों से निर्वाचन आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए मतगणना में सहयोग की अपील की है।

# इंजीनियरिंग कालेज में 3 दिसम्बर को होगी मतगणना कड़ी सुरक्षा के बीच होगी मतगणना

रीवा। रीवा तथा मऊगंज जिले के सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों की मतगणना भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 3 दिसम्बर को इंजीनियरिंग कालेज रीवा में होगी। मतगणना प्रात- 8 बजे से आरंभ होगी। मतगणना केन्द्र में सुरक्षा के कड़े प्रबंध रहेंगे। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि उम्मीदवारों तथा प्रेक्षकों की उपस्थिति में प्रात- 7.30 बजे स्ट्रांग रूम खोले जायेंगे। रिटर्निंग आफीसरों द्वारा मतगणना तथा स्ट्रांग रूम खोले जाने की लिखिल सूचना उम्मीदवारों को दी गयी है। स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष तक ईव्हीएम ले जाने के लिए पृथक से दल तैनात किया गया है। अधिकारियों की निगरानी में ईव्हीएम मतगणना कक्ष तक जायेंगी। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए अलग-अलग मतगणना कक्ष बनाए गए हैं। मऊगंज विधानसभा क्षेत्र की मतगणना दो कक्षों में होगी। शेष सभी विधानसभा की मतगणना के लिए विधानसभावार एक कक्ष निर्धारित किया गया है। प्रत्येक मतगणना कक्ष में 14 टेबुलों में मतगणना होगी। प्रत्येक चक्र में 14 मतदान केन्द्रों की गणना की जाएगी। प्रत्येक टेबुल में मतगणना सहायक, माइक्रो प्रेक्षक, सुपरवाइजर तैनात रहेंगे। सबसे पहले रिटर्निंग आफीसर की टेबुल में डाक मतपत्रों की गणना शुरू होगी। इसके लिए अलग से मतगणना टीम तैनात रहेगी। अंतिम परिणाम मिलने तक मतगणना लगातार जारी रहेगी। प्रत्येक चक्र की गणना पूरी होने के बाद रिटर्निंग आफीसर द्वारा हस्ताक्षर के बाद इसे इनकोर पोर्टल पर आनलाइन दर्ज कर दिया जायेगा। इसके बाद कोई भी व्यक्ति निर्वाचन आयोग की वेबसाइट तथा एप पर परिणाम देख सकता है। मीडिया सेंटर में भी प्रत्येक चक्र के परिणाम विधानसभावार प्रदर्शित किये जायेंगे। मतगणना केन्द्र में केवल वैध प्रवेश पत्रधारियों को ही प्रवेश दिया जाएगा। मतगणना की विधानसभावार तथा चक्रवार जानकारी देने के लिए मीडिया सेंटर बनाया जा रहा है। निर्वाचन आयोग से प्राधिकार पत्र प्राप्त पत्रकारों को मीडिया सेंटर में जाने की अनुमति होगी। मतगणना केन्द्र में उम्मीदवारों तथा उनके मतगणना एजेंटों को प्रवेश करने की अनुमति रहेगी। मतगणना की चक्रवार जानकारी देने के लिए पृथक से टीम तैनात की जाएगी। मतगणना पूरी होने के बाद संबंधित विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग आफीसर विजेता प्रत्याशी को निर्धारित प्रपत्र में प्रमाण पत्र प्रदान करेंगे।

# हरदोई पुलिस ने तीन शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

**हरदोई।** टड़ियावां और पिहानी पुलिस ने तीन अंतर्जनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से पुलिस ने भारी संख्या में चोरी का सामान बरामद किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान घेराबंदी कर इन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। यह सभी चोरी के सामान को बेचने के लिए जा रहे थे, तभी पुलिस ने संदिग्ध देखकर सभी को दबोच लिया।बताया गया कि गोपामऊ और पिहानी बॉर्डर पर पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस को एक महिंद्रा पिकअप आता हुआ दिखाई दिया। जिसको टड़ियावां और पिहानी पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। इस पर चालक ने पिकअप को घुमाकर भागने का प्रयास किया। तभी पुलिस टीम ने पिकअप को श्री स्टार भट्ठा के पास दौड़ाकर पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताक्ष में अपना नाम महेंद्र निवासी पूरनपुर थाना महोली जनपद सीतापुर, पुनीत गुप्ता निवासी मोहल्ला कैलाशपुरी कस्बा व थाना मैगलगंज जनपद लखीमपुर खीरी, भोजपाल सिंह निवासी ग्राम करौंदी थाना महोली जनपद सीतापुर बताया है। जिन्होंने विगत माह में टड़ियावां थाना क्षेत्र में एक चोरी और पिहानी थाना क्षेत्र में दो चोरियों की घटना को स्वीकार किया। जिनके पास पुलिस ने चार पंप सेट इंजन, एक कल्टीवेटर, एक महिंद्रा पिकअप घटना में प्रयुक्त, एक तमंचा 12 बोर मय एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।एसपी केशव चंद गोस्वामी ने बताया कि टड़ियावां और पिहानी पुलिस ने तीन अंतर्जनपदीय शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। यह शातिर चोर किसानों के पंपिंग सेट को रात के अंधेरे में चोरी कर लेते थे। जिसके बाद चोरी किए सामान को अपने इलाके में बेच देते थे। पुलिस ने बेचने के लिए ले जाए जा रहे चोरी के सामान को चेकिंग के दौरान बरामद किया है। साथ ही गिरफ्तार किए गए तीन शातिर चोरों को जेल भेज दिया हैं।

# सिंधिया स्कूल, ग्वालियर में सहोदय इंटर स्कूल हेरीटेज क्वीज स्पर्धा संपन्न

सिंधिया स्कूल, ग्वालियर में आज शुक्रवार को सहोदय इंटर स्कूल हेरीटेज क्वीज का आयोजन किया गया। इसमें मेजबान सिंधिया स्कूल के अलावा ग्वालियर से दून पब्लिक स्कूल, राइस इंटरनेशनल स्कूल मिसहिल हायर सेकेंडरी, स्कूल, विद्या भवन पब्लिक स्कूल, ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल, एमिटी इंटरनेशनल स्कूल जीडी गोयनका, मुरैना, दिल्ली पब्लिक वर्ल्ड स्कूल, संस्कार पब्लिक स्कूल जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल ग्वालियर,सेंट जॉन बियानी स्कूल, आईटीएम ग्लोबल स्कूल ए एम आई शिशु मंदिर आदि विद्यालयों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता का आयोजन दो सत्रों में सम्पन्न हुई। पहले सत्र में सभी चौदह विद्यालयों ने लिखित क्विज प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें से कुल छह टीमें अंतिम दौर में पहुंची। ये विद्यालय थे आईटीएम ग्लोबल स्कूल,ए एम आई शिशु मंदिर,ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल,विद्या भवन पब्लिक स्कूल,सेंट जॉन बियानी स्कूल मेजबान सिंधिया स्कूल। सात राउंड में चले इस क्विज प्रतियोगिता के परिणाम कुछ इस प्रकार रहे। इस प्रतियोगिता में सिंधिया स्कूल की टीम प्रथम स्थान पर तथा ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल की टीम द्वितीय स्थान पर रही। सिंधिया स्कूल के प्राचार्य श्री अजय सिंह ने प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। अपने स्वागत भाषण में प्राचार्य श्री अजय सिंह ने कहा कि सिंधिया स्कूल में पधारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने कहा था कि सबसे पहलेअपने देश में घूमिये, देश को जानिए, उसी क्रम मेंआज का यह हेरीटेज क्वीज आपकोअपने देश के विषय में जानने का अवसर देता है।इस क्विज प्रतियोगिता का संचालन भारत के प्रसिद्ध क्विजमास्टर व सिंधिया स्कूल के पूर्व छात्र श्री अजय पुनिया ने किया । इस अवसर पर सिंधिया स्कूल के प्राचार्य श्री अजय सिंह, उप प्राचार्या सुश्री स्मिता चतुर्वेदी के अतिरिक्त सिंधिया स्कूल के गतिविधि प्रभारी श्री धीरेंद्र शर्मा, सिंधिया स्कूल के क्विज प्रभारी श्री कमलेश सिंह,सभी विद्यालयों के अध्यापकगण तथा छात्रगण उपस्थित रहे।मंडलोई व रोहन असरानी प्रथम स्थान पर रहे

## एक्जिट पोल फर्जी, सरकार कांग्रेस की बन रही: कमलनाथ

मप्र कांग्रेस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी कांग्रेस की जीत के दावे किए हैं। उन्होंने बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता पूरी ताकत से मैदान में आ जाएं। भाजपा चुनाव हार चुकी है। कुछ एग्जिट पोल जानबूझकर इसलिए बनाए गए हैं कि कांग्रेस कार्यकर्ता निराश हों और झूठा माहौल दिखाकर अधिकारियों पर दबाव बनाया जाए। यह षड्यंत्र कामयाब होने वाला नहीं है। कांग्रेस के सभी पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष, जिला प्रभारी, मोर्चा संगठनों के प्रमुख और प्रकोष्ठ के पदाधिकारी अपने-अपने काम में जुट जाएं और निष्पक्ष मतगणना कराएं। हम सब जीत के लिए तैयार हैं। हम सब एकजुट हैं। आपको कोई भी समस्या लगती है तो आप सीधे मुझसे बात करें। 3 दिसंबर को कांग्रेस पार्टी की सरकार बन रही है।

## भाजपा का चेहरा क्लीयर नहीं, शिवराज फिर आतुर; कांग्रेस से कमलनाथ ही तय

भोपाल। मध्यप्रदेश में मतगणना को अभी 36 घंटे बचे है, किसकी सरकार बनेगी यह समय पर ही क्लीयर हो सकेगा। लेकिन सरकार का चेहरा कौन होगा इस पर संशय है। हालांकि कांग्रेस का चेहरा कमलनाथ तय हैं, मगर भाजपा की सरकार बनी तो चेहरे का बदलाव तय है। यह चेहरा कौन होगा भाजपा में इस पर चर्चा अंदर ही अंदर जारी है। यदि भाजपा को बहुमत आया तो शिवराज सिंह पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने को आतुर रहेंगे।कुल मिलाकर अब कांग्रेस अपने सरकार के दावे में बहुमत मिलने के बाद कमलनाथ को नेता चुनेगी, लेकिन भाजपा को बहुमत मिला तो पहली बार होगा कि वर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को बदला जायेगा। हालांकि शिवराज सिंह सरकार बनने पर क्रेडिट लेने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने इस दौरान भाजपा के ब? नेताओं को साधना शुरू कर दिया है।

## मिसहिल स्कूल का भव्य 104वां स्थापना दिवस और पूर्व छात्र सम्मेलन 5-7 जनवरी को

**ग्वालियर।** शिक्षा और उत्कृष्टता का प्रतीक मिस हिल स्कूल अपने 104वें स्थापना दिवस और पूर्व छात्र सम्मेलन के भव्य उत्सव की घोषणा करता है। यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम स्कूल परिसर में होगा, जिसमें दुनिया भर से पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया जा रहा है। इसी सन्दर्भ में स्कूल के मैनेजमेंट, प्राचार्य और एलुमनाई एसोसिएशन के सदस्यों द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमे इस उत्सव का आधिकारिक ब्रोशर रिली? किया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए स्कूल के एलुमनाई एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ग्वालियर के अध्यछ डॉ प्रशांत लहारिया ने कहा कि हम सभी 100 वर्षों की इस गौरवशाली यात्रा में विद्यालय का हिस्सा रहें हैं। इस स्कूल ने हमें शिक्षा और संस्कार के साथ साथ जीवन के संघर्षों से ल?ना सिखाया। आज हम यदि अपने छेत्र में कामयाब हैं तो इसका श्रेय पूर्णतः इस विद्यालय को जाता है। आज भी स्कूल में बिताये हुए दिन हमें बहुत याद आते हैं और उस समय के सभी दोस्त हमारे संपर्क में हैं । 104वें स्थापना दिवस का हिस्सा बनकर हम सभी गौरवान्वित हैं। पूर्व छात्र सम्मेलन, इस उत्सव की आधारशिला है, जो विभिन्न बैचों के पूर्व छात्रों का एक हार्दिक पुनर्मिलन होने का वादा करता है। यह साझा यादों को याद करने, पुराने दोस्तों से मिलने और दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में मिस हिलिट्स द्वारा हासिल की गई सफलताओं का जश्न मनाने का समय है। 1983 बैच के एलुमनाई और शहर के जाने माने बाल रोग चिकित्सक डॉ राहुल सप्रा ने बताया कि उन दिनों शहर में गिने चुने स्कूल हुआ करते थे और मिस हिल स्कूल में एडमिशन होना अपने आप में गर्व कि बात हुआ करती थी। इस स्कूल मैं बिताये हुए जीवन के अमूल्य पलों को हम कभी भूल नहीं सकते और इसका ऋण हम जीवन पर्यन्त भी उतार नहीं सकते।

1995 बैच के एलुमनाई और इस कार्यक्रम के सचिव हरीश पाल ने बताया कि स्कूल के 104वें स्थापना दिवस और एलुमनाई मीट में दुनिया भर से स्कूल के पूर्व छात्र सम्मलित हो रहे हैं। अपनी स्थापना के बाद से, मिस हिल स्कूल शैक्षणिक प्रतिभा, समग्र विकास और चरित्र निर्माण का एक स्तंभ रहा है। पिछले 104 वर्षों में, स्कूल ने अनगिनत व्यक्तियों के जीवन को आकार देने, समय की कसौटी पर खरे उतरने वाले मूल्यों को स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 2021 में इस स्कूल के 100 वर्ष पूर्ण हो गए थे किन्तु कोरोना माहमारी के चलते हम ब?ा उत्सव आयोजित नहीं कर पाए लेकिन इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के द्वारा इस बार हम स्कूल का शताब्दी वर्ष भी मना रहे हैं। इस स्कूल के एलुमनाई आज देश दुनिया में अपने अपने छेत्रों में उत्कृष्ण प्रदर्शन कर अपने स्कूल, परिवार और शहर का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि हमने 1921 से 2023 तक के सभी पूर्व छात्रों को आमंत्रित किया है, जिसमे प्रशासनिक अधिकारी, राजनीतिज्ञ, बिजनेसमैन, शिक्षक और बॉलीवुड के सितारे भी शामिल हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इस भव्य उत्सव मैं शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ साथ कई सारे सामाजिक कार्यक्रम भी शामिल होंगे और कई पूर्व छात्रों को सम्मानित भी किया जाएगा।। इस कार्यक्रम को यादगार बनाने के लिए स्कूल और छात्र पिछले 2 महीने से तैयारियां कर रहे हैं, इसे भव्य और ऐतिहासिक बनाने में हम कोई कसर नहीं छो?ंगे। मिस हिल स्कूल सभी पूर्व छात्रों, वर्तमान छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों और शुभचिंतकों को इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने में शामिल होने के लिए हार्दिक निमंत्रण देता है। आपकी उपस्थिति कार्यक्रम की खुशी और सफलता में इजाफा करेगी।

अंत में स्कूल के प्रिंसिपल डॉ एस पी सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस महत्वपूर्ण बैठक में डॉ प्रशांत लहारिया , डॉ राहुल सप्रा, अजय पाटिल, सरयू प्रसाद शर्मा, डॉ ओ ?न कौल , सरनाम सिंह तोमर, अर्जुन सिंह भदौरिया एवं स्कूल के सभी शिक्षकगण उपस्थित थे।

# सिंधिया कन्या विद्यालय : साक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय मूट कोर्ट का समापन

सिंधिया कन्या विद्यालय में दो दिवसीय समारोह साक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय मूट कोर्ट का भव्य समापन हुआ। यह समस्त कार्यक्रम विद्यालय प्राचार्या श्रीमती निशि मिश्रा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ7 इस प्रतिष्ठित दो दिवसीय कार्यक्रम में भारत और विदेश से मेजबान टीम सहित 18 प्रतिष्ठित विद्यालयों ने क्रमशः विवेक हाई स्कूल, चंडीगढ़ , पाइनग्रोव स्कूल, धरमपुर, हिमाचल प्रदेश , मेयो कॉलेज, अजमेर , मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड, नईदिल्ली, सनबीम स्कूल लहरतारा, वाराणसी ,सिंधिया स्कूल, किला ग्वालियर , लॉरेंस स्कूल, लवडेल, ऊटी , संस्कार वैली स्कूल, भोपाल , सिंगापुर इंटरनेशनल स्कूल, मुंबई , रॉयल अकादमी, भूटान , हैदराबाद पब्लिक स्कूल, बेगमपेट , ग्वालियर ग्लोरी हाई स्कूल, ग्वालियर , प्रेसीडेंसी स्कूल, बैंगलोर उत्तर ,मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल, अजमेर , श्रीराम स्कूल, अरावली, गुड़गांव , विद्या देवी जिंदल स्कूल, हिसार ,डेली कॉलेज, इंदौर , सिंधिया कन्या विद्यालय, ग्वालियर* ने भाग लिया । यह कार्यक्रम बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय के सहयोग से हुआ।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति एनके मोदी उपस्थित थे। न्यायमूर्ति एनके मोदी ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में साल 2003 से कार्य किया है । इससे पहले वो एक बहुत बड़े वकील रह चुके थे और अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर भी उन्हें आमंत्रित किया गया। उसके बाद उन्हें मप्र उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर पदोन्नत किया गया, जिस पद पर वे 2013 तक रहे । अतिथि के रूप में डॉ. प्रभाकर सिंह एसोसिएट डीन, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय भी उपस्थित थे। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती निशि मिश्रा द्वारा मुख्य अतिथि तथा अन्य गणमान्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिह्न प्रदान किये गए। प्राचार्या श्रीमती निशी मिश्रा द्वारा उदबोधन प्रस्तुत किया गया, जिसमें उन्होंने समस्त बाहर से आई टीमों को धन्यवाद दिया । तत्पश्चात मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति एनके मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा ङ्क ÷ मैं सिंधिया कन्या विद्यालय की प्राचार्या, मैनेजमेंट तथा समस्त शिक्षकगण को बधाई देना* *चाहता हूँ कि उन्होंने मूट कोर्ट जैसे कार्यक्रम का आयोजन किया जो निश्चय ही छात्र- छात्राओं में ?नून के प्रति सजगता ब?ाएगा तथा उन्हेंअपने करियर में वकील, जज आदि बनने के लिए प्रेरित करेगा। मैं समस्त टीमों के छात्र- छात्राओं को बधाई देता हूँ तथाआज वो यहाँ सीखकर जो जा रहे हैं वो उसे भविष्य में ?रूर प्रयोग करें इसी कामना के साथ मैं उनके उज्जवल भविष्य* *की कामना करता हूँ। ÷

प्रातः कालीन सत्र में समस्त टीमों को पहले राउंड में एक ह्यपोथेटिकल केस दिया गया जिसमें पैसिफिक ओशन में एक आइलैंड *पर्जेनिया* 100 स्क्वायर किलोमीटर का था। वहाँ के लोग माइनिंग करते थे जिससे पर्यावरण पर असर पड़ रहा था इसलिए थर्ड पार्टी 'प्रो नेचर पीपलस एसोसिएशन' ने कहा कि माइनिंग को पूर्ण रूप से बंद किया जाना चाहिए क्योंकि पर्यावरण के लिए घातक है। सभी टीमों के पेटीशनर (पक्ष) का केस था माइनिंग बंद होनी चाहिए तथा सभी टीमों के रेस्पोंडेंट्स (विपक्ष) का केस था माइनिंग बंद नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे लोग बेरोजगार हो जायेंगे और भुखमरी छा जाएगी। अपने अद्भुत प्रदर्शन के बाद चार टीमें क्रमशः मॉडर्न स्कूल बाराखंभा रोड, नई दिल्ली, सिंधिया कन्या विद्यालय, ग्वालियर , प्रेसीडेंसी स्कूल, बैंगलोर तथा लॉरेंस स्कूल, लवडेल, ऊटी सेमी-फाइनल में पहुँची। तत्पश्चात *सिंधिया कन्या विद्यालय तथा मॉडर्न स्कूल बाराखंभा फाइनल राउंड में पहुँची। समस्त टीमों ने विभिन्न लॉ क्रमशः कोंस्टीटूशन ऑफ इंडिया के तहत आर्टिकल 21 , आर्टिकल 19 1त , आर्टिकल 48 , आर्टिकल 51 ष्ट , तथा इंटरनेशनल कन्वेंशन भी प्रयोग किये। सिंधिया कन्या विद्यालय* द्वारा संकल्प प्रोजेक्ट, धरोहर, तथा संचय प्रोजेक्ट पर आधारित वीडियो दिखाया गया। तत्पश्चात *प्रोफेसर डॉ. प्रभाकर सिंह, एसोसिएट डीन, बीएमएल मुंजाल द्वारा उद्बोधन प्रस्तुत किया गया जिसमें उन्होंने सिंधिया कन्या विद्यालय को इस कार्यक्रम के लिए हार्दिक बधाईयाँ दी । बाहर से आये समस्त स्कूलों कि टीमों को सिंधिया फोर्ट भ्रमण के लिए भेजा गया।

मुख्य अतिथि द्वारा निम्नलिखित पुरूस्कार वितरित किये गए -

विनर टीम (प्रथम) - *सिंधिया कन्या विद्यालय, ग्वालियर* नव्या गुप्ता ,कृति लाभ ,सुहानी राज

**फर्स्ट रनर अप** - *मॉडर्न स्कूल बाराखंभा, नयी दिल्ली* नारायणी खन्ना , क्रिश वालिया , मसीराह एन अहमद

**सेकंड रनर अप** - *लॉरेंस स्कूल, लवडेल, ऊटी* मेहर बागरी , जायरा फातिमा, जिया मान**थर्ड रनर अप** - *प्रेसीडेंसी स्कूल, बैंगलोर* चेरिता,सिमहरा ,अवनीत कौर

बेस्ट स्पीकर - *समीप मोदी सिंधिया स्कूल फोर्ट ग्वालियर*

बेस्ट रिसर्चर- *तियारा पेगी विवेक हाईस्कूल चंडीगढ़*

मोस्ट प्रोमिसिंग टीम *- दा* *रॉयल एकेडमी भूटान*

मोस्ट प्रोमिसिंग स्पीकर - सिया *सजी मथेयु प्रेसीडेंसी स्कूल बंगलोर*

मोस्ट प्रोमिसिंग रिसर्चर - *अध्विक मिश्रा* मैयो कॉलेज अजमेर

सिंधिया कन्या विद्यालय में इस कार्यक्रम की प्रभारी सुश्री उर्वशी पांडे हैं। इस कार्यक्रम में प्रोफेसर अभिषेक मिश्रा, प्रोफेसर सत्य प्रसून, श्रीमती सरस्वती विद्यानाथन और सौम्या माहेश्वरी और अजय महाजन भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विद्यालय प्राचार्या- श्रीमती निशी मिश्रा, बरसर- श्री सेल्विन माईकेल, उप प्राचार्या- श्रीमती गरिमा सांधु, इवेंट कोऑर्डिनेटर- श्रीमती शिवांगी सहाय,कार्यक्रम कोडिनेटर उर्वशी पांडे , मीडिया प्रभारी - श्रीमती वैशाली श्रीवास्तव, श्रीमति सुनीता सक्सेना,श्रीमती एनसी जोसफ ,श्रीमती कविता पिल्लई, श्रीमती श्वेता चौधरी, श्रीमती दृष्टि चौधरी ,श्रीमती गीता कोहली तथा समस्त स्टाफ उपस्थित था।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478